www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 200 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
12 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:03
सूर्यास्तः 05:42
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार
वनाधिकार कानूनः कागज... »पेज 04
झांसी का काली बाबा... »पेज 06
84 की उम्र को पहुंचे अमिताभ...

योगी ने कन्याओं की पूजा की, गिफ्ट दिए, मां पाटेश्वरी की पूजा की, विंध्याचल में जबरदस्त भीड़

नारी सम्मान, सुरक्षा और स्वालंबन ही रामराज्य का आधार : सीएम योगी

सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

बलरामपुर । शारदीय नवरात्र के पहले दिन और अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवीपाटन मंदिर परिसर से नारी सम्मान, बालिका शिक्षा और स्वावलंबन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नारी का सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन ही रामराज्य की स्थापना का आधार है। समाज में महिलाओं की गरिमा सुरक्षित होगी और बेटियों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलेंगे, तभी समृद्धि का रास्ता मजबूत होगा।

सनातन परंपरा में मातृशक्ति की उपासना की जाती है। मां भगवती की आराधना का वास्तविक अर्थ भी यही है कि समाज प्रत्येक महिला की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने कहा कि सरकार मिशन शक्ति के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए काम कर रही है। इस प्रयास को सफल बनाने के लिए समाज के हर व्यक्ति को आगे आना होगा। मुख्यमंत्री ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि बेटा-बेटी के बीच भेदभाव खत्म करना और बालिकाओं को समान अवसर देना जरूरी है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बेटियों को जन्म से लेकर आगे की पढ़ाई और अन्य महत्वपूर्ण पड़ावों पर आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत सहायता राशि बढ़ाकर 25 हजार रुपये की गई है और पांच लाख बेटियों को इसका लाभ दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आर्थिक सहायता के साथ संपत्ति में अधिकार देना भी जरूरी है।



■ मुख्यमंत्री ने कहा कि शारदीय नवरात्र और अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का एक साथ पड़ना नारी शक्ति के सम्मान का संकल्प दोहराने का अवसर है।

'शिक्षा की उड़ान' से बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन

देवीपाटन मंदिर परिसर में 'शिक्षा की उड़ान' पहल के तहत विभिन्न परिषदीय विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के विद्यार्थियों को स्टडी टेबल, आशीर्वाद पत्र और पठन-पाठन सामग्री वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने देवीपाटन मंडल की आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल और जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना की। इस पहल के तहत हीरालाल, अर्चना सैनी, काजल, प्रभु जायसवाल, निस्बा, गणेश, चांदनी निषाद, शालू शर्मा, बेबी, रुद्राणी, सानिया और सुधा सहित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्राथमिक विद्यालय धर्मपुर की छात्राओं गायत्री, प्रिया और जयश्री ने मुख्यमंत्री को ग्रीटिंग कार्ड, पुष्पगुच्छ, स्वरचित कविता और पुस्तक भेंट की।

माता जानकी से वीरांगना लक्ष्मीबाई तक नारी शक्ति की मिसाल

मुख्यमंत्री ने भारतीय संस्कृति और इतिहास में नारी शक्ति के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि माता कौशल्या, माता जानकी और माता शबरी जैसी विभूतियां समाज को सेवा, त्याग और समर्पण की प्रेरणा देती हैं। माता देवकी और माता यशोदा का उदाहरण देते हुए उन्होंने मातृत्व के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने काशी विश्वनाथ, सोमनाथ और केदारनाथ सहित अनेक धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

माता जानकी से वीरांगना लक्ष्मीबाई तक नारी शक्ति की मिसाल





सीएम योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय बलरामपुर के दौरे पर हैं। सीएम ने दूसरे दिन 11 अक्टूबर को शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर मां पाटेश्वरी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर परिसर की गौशाला में गायों को चारा और गुड़ खिलाया। इसके बाद, सीएम 'बालिका सम्मान' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने वहां मौजूद बच्चों को चॉकलेट बांटा। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा भी की।

प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास की धनराशि महिला मुखिया के नाम जारी करने की व्यवस्था की गई है। महिलाओं की गरिमा और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए तीन करोड़ शौचालय निर्माण सहित विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

> मुख्यमंत्री ने शिक्षा की उड़ान पहल के तहत विद्यार्थियों को स्टडी टेबल, आशीर्वाद पत्र और पठन-पाठन सामग्री दी। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिका खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इसके साथ ही किसान मेले और विभागीय प्रदर्शनी का शुभारंभ कर किसानों को कृषि यंत्र प्रदान किए।



मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

जब महिषासुर के अत्याचार से तीनों लोकों में त्राहि-त्राहि मच गई, तब देवताओं की सामूहिक ऊर्जा से एक ऐसी दिव्य शक्ति का प्राकट्य हुआ, जो साक्षात् आदिशक्ति थीं। *मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कर धर्म और न्याय की पुनर्स्थापना की। महिषासुरमर्दिनी की इसी विजय और शक्ति की आराधना के पावन पर्व शारदीय नवरात्र पर आप सभी को हृदय से मंगलकामनाएं।*

लंका विजय से पूर्व प्रभु श्रीराम ने मां जगतजननी की साधना की थी। साधना के लिए 108 नीलकमलों में एक कम पड़ने पर उन्होंने अपने नयन को ही अर्पित करने का निश्चय किया। तब मां प्रकट हुईं और उन्हें विजय का वर दिया। ममता और वात्सल्य की प्रतिमूर्ति यही मां त्रैलोक्य बचाने के लिए चंडी का रूप लेती हैं तथा मधु-कैटभ, शुंभ-निशुंभ और रक्तबीज जैसे दानवों का संहार करती हैं। ***अहंकार, दुराग्रह, आसक्ति और बढ़ती नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विनम्रता, साहस, शक्ति, संकल्प, न्याय और धर्म की विजय का भाव ही मां के नौ स्वरूपों में निहित है। आज भी जब समाज ऐसी प्रवृत्तियों से संघर्ष करता है, तब नवरात्र हमें स्मरण कराता है कि सज्जनता तभी प्रभावी होती है, जब उसमें शक्ति और संकल्प का सामर्थ्य हो।*** *यही सामर्थ्य हमारी मातृशक्ति एवं समस्त समाज को सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प का आधार है।*

मां विंध्यवासिनी, मां पाटेश्वरी और मां शाकुम्भरी जैसे प्रमुख शक्तिपीठों में नवरात्र पर श्रद्धालुओं की आस्था और युवाओं की बढ़ती सहभागिता यह दर्शाती है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़ रही है। *उत्तर प्रदेश आज आस्था, संस्कृति और परंपरा के पुनर्जागरण का सशक्त केंद्र बन रहा है। इसी चेतना को सार्थक बनाने के लिए बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर दिए जा रहे हैं।*

हमारी सरकार ने वर्ष 2020 में शारदीय नवरात्र पर मिशन शक्ति अभियान प्रारंभ किया था। इसका उद्देश्य ही नारी सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण को जनभागीदारी से जोड़ना था। आज लगभग 44,000 से अधिक महिलाएं उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा हैं। पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। *ऊदा देवी पासी, झलकारी बाई कोरी तथा रानी अवंतीबाई लोधी जैसी वीरांगनाओं के नाम पर तीन महिला PAC बटालियन गठित की गई हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से बालिकाओं की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य को प्रोत्साहन मिल रहा है। 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर एक करोड़ से अधिक महिलाएं स्वावलंबन की नई गाथा लिख रही हैं।*

आइए, नवरात्र के इस पावन अवसर पर उपासना एवं उपवास के साथ एक संकल्प यह भी लें कि किसी बहन की सुरक्षा के लिए उसकी आवाज बनेंगे, किसी बालिका की शिक्षा में सहयोग करेंगे और किसी महिला के आत्मनिर्भर बनने की राह में उसका संबल बनेंगे। *आदिशक्ति की आराधना तभी पूर्ण होगी, जब प्रदेश की मातृशक्ति सुरक्षित, सम्मानित और स्वावलंबी बनेगी। इसी से विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प की सिद्धि होगी।*

आपका
योगी आदित्यनाथ

साहस. सृजन. नेतृत्व.
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

फास्ट न्यूज

सुपर अल नीनो से 20 दिन में चीनी 10% महंगी

नई दिल्ली । मानसून कमजोर करने वाले सुपर अलनीनो का दुष्प्रभाव अब खाने-पीने की चीजों पर दिखने लगा है। पिछले 20 दिन में एक किलो चीनी 10.16%, दूध 6.12%, दालें 4.68%, आटा 6.67% तक महंगा हो चुका है।

घटना जांच

दिल्ली से चेन्नई जा रहे विमान में आग लगी

नई दिल्ली। दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो फ्लाइट की हैदराबाद में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी।इस फ्लाइट में एक पैसेंजर का पावर बैंक ब्लास्ट होने से बैग में आग लग गई थी। धुआं निकलता देख यात्रियों ने क्रू को खबर दी। इसके बाद प्लेन को हैदराबाद डायवर्ट कर इमरजेंसी लैंडिग करवाई गई।

इंडिगो ने कहा कि आग लगने का पता चलते ही केबिन क्रू ने स्थिति को काबू में कर लिया। इसके बाद पायलटों ने विमान को डायवर्ट किया। इंडिगो ने बताया कि यात्रियों को चेन्नई पहुंचाने के लिए एक दूसरे विमान की व्यवस्था की गई।

जम्मू के बोहरी आनंद नगर में 2 घंटे भारी बारिश

नई दिल्ली। मानसून का मौसम लगभग खत्म हो चुका था, लेकिन जम्मू के बोहरी और आनंद नगर इलाकों में रविवार सुबह 8.30 बजे से दो घंटे तक भारी बारिश हुई। इससे तवी नदी में बाढ़ आ गई। रायपुर डोमाना इलाके में एक महिला सड़क पार करते समय अचानक आए बाढ़ के पानी में बह गई और लापता हो गई।

चुनावी मोड में बसपा, 100 प्रत्याशयों के नाम पर मुहर

आवास पर लगातार टिकट के उम्मीदवारों से मिल रहीं मायावती

विचार

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी ने सितंबर में 100 प्रत्याशी घोषित करने के अपने लक्ष्य को पूरा कर लिया है। पार्टी अब तक 100 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार चुकी है हालांकि अभी पार्टी ने इसकी अधिकृत सूची जारी नहीं की है। जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रत्याशियों के नाम पर मुहर लगा रहे हैं। आगामी 15 नवंबर तक करीब 250 प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने अगले एक माह में जिन सीटों पर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जाने हैं, उनके कार्यक्रम भी तय कर दिए हैं। पार्टी सुप्रीमो मायावती अपने आवास पर लगातार टिकट के उम्मीदवारों से मिल रहीं हैं और उनकी दावेदारी को परखने के बाद जिले में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन करने का निर्देश दे रही हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ आगामी 15 नवंबर तक करीब 250 प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए जाएंगे।

कॉकरोच पार्टी का लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन, ममता-केजरीवाल को प्रोटेस्ट के लिए धन्यवाद दिया

सभी सुप्रीम कोर्ट चलें : राहुल

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी है। दिल्ली में भारी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात हैं। 200 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास करीब 23 घंटे हिरासत में रहने के बाद रविवार सुबह 10 बजे रिहा हुए। इसके बाद पार्टी ने ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)



दीपके बोले- पुलिस ने मेरे फोन मांगने वाली क्लिप डिलीट की

अभिजीत दीपके ने कहा, आपने वह हिस्सा क्यों हटा दिया। जिसमें मैं अपने कजिन का नंबर निकालने के लिए अपना फोन मांग रहा था? और वह हिस्सा भी, जिसमें मैं अपने वकीलों से बात करने की अनुमति मांग रहा था।

पुलिस बोली- दीपके ने पैरेंट्स से बात करने से मना किया

दिल्ली पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जैसे ही दिल्ली पुलिस के पास अभिजीत दीपके के दादी के निधन की खबर पहुंची। ये दुखद समाचार पहुंचाने के लिए दिल्ली पुलिस उनके पास गई और हर प्रकार की मदद के लिए उनसे पूछा गया। फ्लाइट, कॉल या जो भी उन्हें जरूरत हो, संवेदनशील भाव के साथ उनसे पूछा। उनसे लगातार पूछा गया कि उनकी पैरेंट्स से उनकी बात करा दें, जो उन्होंने मना किया। एकदम से मना किया। उन्हें थोड़ा सोचने का टाइम भी दिया गया।



■ राहुल हाथ में संविधान की कॉपी लेकर बोले- सभी दल हमारे साथ आएं और सुप्रीम कोर्ट चलें। ये मोदी, शाह, डोभाल, मोहन भागवत हमारी आवाज नहीं दबा सकते। उनको हटना पड़ेगा।

उद्घाटन : पीएम ने चेन्नई में 'वी विल डू इट' का नारा दोहराया टीवीके की जीत के बाद पहला तमिलनाडु दौरा

मेट्रो में साथ बैठे पीएम मोदी-सीएम विजय

■ भारत का भविष्य बहुत शानदार होगा, मुझे आप पर पूरा भरोसा है
■ बच्चों से पीएम की अपील- जहां जाएं वहां तमिल संस्कृति का प्रचार करें

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई । पीएम मोदी ने रविवार को चेन्नई में कहा कि मंदिरों से लेकर मेट्रो तक तमिलनाडु में नए भारत की झलक दिखती है। भारत अपनी सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है, वैज्ञानिक प्रगति के जरिए आगे बढ़ता है। मोदी ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वडापालानी रूट का उद्घाटन भी किया। इसके बाद पीएम ने खुद ट्रेन में यात्रा की, इस दौरान तमिलनाडु के सीएम विजय भी उनके साथ मौजूद थे।

इसके बाद वे जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यायल के गोल्डन जुबली इवेंट में पहुंचे, जहां उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि भारत का भविष्य बहुत शानदार होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ पीएम मोदी ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया।

2026 के विधानसभा चुनावों के बाद यह पीएम मोदी का पहला चेन्नई दौरा है। 2026 में टीवीके ने जीत हासिल की और एक्टर विजय सीएम बने। कांग्रेस उनकी सहयोगी पार्टी है।



मोदी ने कहा- मुझे यकीन देश खेल की दुनिया में भी नई ऊंचाई पर जाएगा

आज नई एजुकेशन पॉलिसी से देश में एजुकेशन क्वालिटी इंप्रूव हो रही है। ग्लोबल पहचान बढ़ रही है। आज 52 हो गई है। इन आंकड़ों का मतलब बहुत सीधा है। ज्यादा संस्थान, तो आपके लिए ज्यादा अवसर। पीएम ने कहा- हर युवा के अपने अलग अलग सपने होते हैं, अपनी प्रतिभा होती है। आपमें से कई साथी ऐसे होंगे जो खेल में कॅरियर बनाना चाहते होंगे। देश इसलिए एन्श्योर कर रहा है कि स्पोर्ट्स केवल मनोरंजन न बने। आपको बेहतर सुविधाएं मिले, इसके लिए लगातार काम हुआ है, इसलिए इंटरनेशनल स्पोर्ट्स की दुनिया में भारत का कद भी बढ़ रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में न लें : सुप्रीम कोर्ट

सीजेपी प्रदर्शन में 45 मेट्रो स्टेशन बंद

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट की स्पेशल बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए। इंटरनेट बाधित नहीं होना चाहिए और लोगों की आवाजाही नहीं रोकी जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि प्रदर्शन के कारण दिल्ली मेट्रो और यहां आने वाली ट्रेनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक न लगाई जाए। इसके बावजूद शनिवार को कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ 7000 लोग कस्टडी में लिए थे
■ 2 याचिकाएं दाखिल की गई थीं

जूते चले, धक्कामुक्की अजय राय और ममता चौधरी भिड़े, राय बोले- मुझे गाली दी गई, प्रमोद तिवारी ने हाथ जोड़े

यूपी कांग्रेस कार्यालय में हंगामा

समारोह

लखनऊ, एजेंसी

यूपी कांग्रेस कार्यालय में रविवार को पदभार ग्रहण समारोह के दौरान कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। जूते-चप्पल चले और धक्का-मुक्की हुई। 30 मिनट तक हंगामा चलता रहा। विवाद तब शुरू हुआ, जब यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना और कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद के पदभार ग्रहण समारोह में पूर्व अध्यक्ष अजय राय पहुंचे। उन्हें देखकर कांग्रेस नेत्री ममता चौधरी ने कहा- तुम्हारी शक्ल नहीं देखनी, यहां से चले जाओ।

यह सुनकर अजय राय पीछे मुड़े और कहा- औकात में रहना। इसी दौरान उनके एक समर्थक ने जूता निकाल लिया। इसके बाद दोनों के



हंगामे से नाराज अजय राय धरने पर बैठ गए। प्रमोद तिवारी ने हाथ जोड़कर उन्हें मनाया। अजय ने कहा- मुझे गाली दी गई।

समर्थकों में मारपीट शुरू हो गई। हंगामे के बाद अजय राय धरने पर बैठ गए। मामला बिगड़ता देख सांसद प्रमोद तिवारी और इमरान मसूद पहुंचे। प्रमोद तिवारी ने राय के सामने हाथ जोड़े। राय ने कहा- मुझे गाली दी गई। इमरान मसूद ने भी उन्हें मनाया। इस दौरान राय की राहुल गांधी से फोन पर बात हुई। इसके बाद वह धरने से उठकर चले गए। अजय राय और ममता चौधरी के बीच 3 साल से विवाद चल रहा है। राय ने ममता के पार्टी कार्यालय में आने पर रोक लगा दी थी। ममता को यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा का करीबी माना जाता है। मारपीट पर यूपी भाजपा ने तंज कसा। X

अजय राय प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुए, इमरान मसूद ने किया बचाव

पदभार ग्रहण के दौरान हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजय राय शामिल नहीं हुए। इस पर मीडिया कर्मियों ने इमरान मसूद से सवाल पूछा। उन्होंने अजय राय का बचाव करते हुए कहा- प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व अध्यक्ष के आने की परंपरा नहीं रही है। पार्टी कार्यालय में उनसे चार्ज ले लिया गया है। इमरान मसूद ने कहा- पार्टी ने मुझ पर विश्वास जताया है। हमारा प्रयास है कि हम उस पर खरे उतरें। हम निश्चित रूप से यूपी में परिवर्तन लाएंगे और यूपी कांग्रेस को मजबूत करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, अजय राय ने राहुल गांधी से ममता चौधरी को पार्टी से निकालने की मांग की। राहुल गांधी ने उनसे बैठकर बातचीत करने को कहा है। साथ ही इस मामले में कोई बयानबाजी नहीं करने को कहा।

पर लिखा- "मोहब्बत की दुकान में जूतम-पैजार। कांग्रेस कार्यालय में नए प्रदेश अध्यक्ष ने पूर्व अध्यक्ष अजय राय का मान-मर्दन कर दिया।" हंगामे के दौरान अजय राय ने कहा- कैसे-कैसे लोगों को बुला लिया है। इस दौरान राय के एक समर्थक ने आराधना मिश्रा मोना से कहा- गाली नहीं देनी चाहिए। ऐसे नहीं होता है। क्यों बुलाएगी उसको? क्या बात बोल रही है, देखो। एक अन्य समर्थक



ममता चौधरी लखनऊ से पार्षद हैं

ममता चौधरी लखनऊ के मालवीय नगर की पार्षद हैं। बताया जाता है कि 2023 में किसी बात को लेकर उनकी अजय राय से कहासुनी हुई थी। इसके बाद राय ने ममता के पार्टी कार्यालय आने पर रोक लगा दी थी। आराधना मिश्रा के 2 अक्टूबर को प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से ममता फिर पार्टी कार्यालय आने लगी हैं।

ने कहा- बहुत गंदी बात है। पार्टी से निकाल दीजिए। बदतमीजी करती है।

हंगामे के बाद पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मीडिया से कहा- निश्चित तौर पर कुछ ऐसे लोग हैं, जो पार्टी विरोधी काम कर रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अपने कार्यकर्ताओं के मायूस होने के सवाल पर उन्होंने कहा- हमारे सभी कार्यकर्ता खुश हैं। कोई ऐसा नहीं है। यह तो समय है, जो परिवर्तनशील है।

वाराणसी में 26 अक्टूबर तक मांस-मछली की दुकानें बंद

नवरात्र के बाद होगा वायुसेना का एयर शो

तमसा संकेत, एजेंसी



वाराणसी । त्योहारों के सीजन और भारतीय वायु सेना के भव्य कार्यक्रम को देखते हुए वाराणसी में आज से मांस और मछली की बिक्री पर कड़े प्रतिबंध लागू हो गए हैं। नगर निगम वाराणसी ने श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दो अलग-अलग चरणों में पूर्ण प्रतिबंध का आदेश जारी किया है। पहले चरण में जहां शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर पूरे शहर की दुकानें बंद कराई जा रही हैं। वहीं दूसरे चरण में नमो घाट पर होने वाले ऐतिहासिक 'एयर शो डिस्प्ले' के मद्देनजर फाइटर जेट्स की सुरक्षा के लिए मांस की कटिंग और बिक्री पर रोक बढ़ाई गई है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि इन आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। वाराणसी के पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और पवित्रता को बनाए रखने के लिए 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक शहर की सभी मांस, मछली और मुर्गी की दुकानों को पूरी तरह से बंद रखने का सख्त निर्देश जारी किया गया है। नगर निगम के सभी जोन के अधिकारियों और कर्मचारियों को जमीन पर उतरकर सघन अभियान चलाने को कहा गया है ताकि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित हो सके। ड्यूटी में किसी भी प्रकार की शिथिलता बरतने वाले कर्मचारियों और नियमों को तोड़ने वाले दुकानदारों पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई होगी।

फास्ट न्यूज

13 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म

वाराणसी । वाराणसी के चौक थाना क्षेत्र के पियरी चौकी के समीप बेनियाबाग मलिन बस्ती में 13 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद राष्ट्रीय सेवक संघ के कार्यकर्ता विकास यादव पीड़ित परिवार के साथ चौक थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर दिलाई। मिली जानकारी के अनुसार, मामले में आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत दी गई है।

वाराणसी की गलियों में पत्नी संग घूमे सांसद मनोज तिवारी

वाराणसी । सांसद और भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी अपनी पत्नी के साथ वाराणसी पहुंचे। यहां उन्होंने शहर की गलियों और सड़कों पर घूमकर काशी की रौनक का आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने गोदौलिया चौराहे पर भी भ्रमण किया। मनोज तिवारी कलर्स टीवी पर प्रसारित होने वाले शो 'पति पत्नी और पंगा' की शूटिंग के सिलसिले में वाराणसी आए हैं। उन्होंने काशी को अपना घर बताते हुए कहा कि यहीं से उन्होंने अपने गीतों की शुरुआत की थी। इस दौरान वह एक दुकान पर पहुंचे और खुद जलेबी छानते नजर आए।

गायिका निशी सिंह का नया लोकगीत

वाराणसी । अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं का दिल जीतने वालीं प्रसिद्ध गायिका निशी सिंह अब लोक संगीत के क्षेत्र में भी कदम रखने जा रही हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश की लोक संस्कृति और मिठास से भरा उनका नया लोकगीत 'लागा का मोरा मनवा' जल्द ही म्यूजिक लेबल टी-सीरीज़ से रिलीज होने जा रहा है। रविवार को दुर्गाकुंड स्थित एकेएस पैलेस में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए निशी सिंह ने अपने इस नए लोकगीत के बारे में जानकारी दी।

बाराबंकी में डीएम ने 73 साल के बुजुर्ग की सुनी समस्या

बेटे ने घर से निकाला, डीएम ने तुरंत पेंशन के दिए निर्देश



तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में जनता दर्शन के दौरान 73 साल के बाबूलाल अपनी समस्या लेकर जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह के पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके तीन बेटियां और एक बेटा है, लेकिन बेटा उन्हें घर से निकाल चुका है। बेटियां भी अपने-अपने घरों में रहती हैं, जिससे उन्हें अकेले रहना पड़ रहा है। बुजुर्ग बाबूलाल ने जिलाधिकारी को बताया कि उन्हें जीवनयापन में काफी परेशानी हो रही है। उनकी वृद्धावस्था पेंशन भी नहीं बन पाई है, जिससे उनके पास कोई आर्थिक सहारा नहीं है।

यह सुनकर जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने तुरंत समाज कल्याण अधिकारी को बुलाया। उन्होंने अधिकारी को बाबूलाल की वृद्धावस्था पेंशन बनवाने के लिए जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए।

रामलला के सामने दंडवत, कहा- अब परिवार के साथ आऊंगी, क्या ये शादी का इशारा?

योगी मेरे भाई : कंगना रनोट

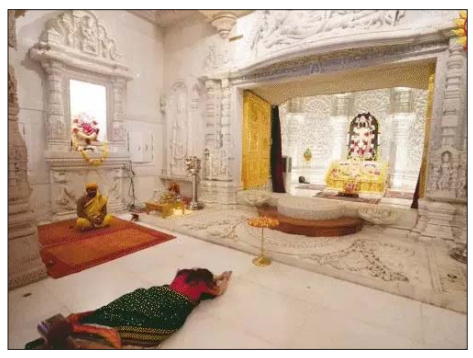
तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । बॉलीवुड एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनोट रविवार को अयोध्या पहुंचीं। उन्होंने दोपहर 1:30 बजे हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन किए। राम मंदिर में कंगना रामलला की प्रतिमा को अपलक निहारती रहीं।

इस दौरान कंगना ने जल्द शादी करने के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा, "अब लगता है कि परिवार के साथ कम से कम एक बार यहां जरूर आना पड़ेगा।" कंगना तीसरी बार अयोध्या पहुंची थीं।

इससे पहले उन्होंने एक शोरूम का उद्घाटन किया। कंगना ने कहा कि अयोध्या में सड़कें बनी हैं और एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं विकसित हुई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन अब साकार हो रहा है।

कंगना ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को अपना भाई बताया।



कंगना रनोट में हनुमान गढ़ी में कहा- यहां आकर मैं धन्य हो गईं। मैंने यहां की दिव्यता को महसूस किया है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या के लोगों को उनकी सेवा का लाभ मिल रहा है। अयोध्या धाम आज दुनियाभर में प्रसिद्ध हो रहा है। यहां रहने वाले लोग धन्य हैं।

कंगना ने राम मंदिर के भव्य परिसर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा- मंदिर परिसर बेहद विशाल और खूबसूरत है। अयोध्या में आध्यात्मिक शांति और संतुष्टि का अनुभव करने के लिए परिवार के साथ कम से कम दो से तीन दिन बिताने चाहिए। तभी यहां की दिव्यता को पूरी तरह महसूस किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि अब लगता है कि परिवार के साथ कम से कम एक बार यहां जरूर आना पड़ेगा। अयोध्या पहुंचने से एक दिन पहले कंगना रनोट लखनऊ आई थीं। यहां

30 मिनट राम मंदिर में भ्रमण करती रहीं कंगना

कंगना पहले श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचीं। मंदिर ट्रस्ट की ओर से उन्हें रामनामी चोला पहनाया गया। भगवान का प्रसाद दिया। उन्होंने करीब 30 मिनट तक मंदिर में दर्शन और भ्रमण किया। इसके बाद हनुमानगढ़ी में दर्शन किए।



कंगना रनोट ने लहंगा के साथ दुपट्टा लिया हुआ था और बालों में फूलों का गजरा लगाए हुए थीं।

कंगना ने कहा,रामलला की अयोध्या पवित्र धरती है। यहां आना हमेशा सौभाग्य की बात है। यहां आकर अत्यंत पावन और दिव्य अनुभूति हुई है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर CJP के प्रदर्शन के आह्वान पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा- देश के सामने राष्ट्रविरोधी तत्वों, आतंकवादी ताकतों और अंतरराष्ट्रीय साजिशों की चुनौतियां गंभीर चिंता का विषय हैं। कंगना ने आरोप लगाया कि अलग-अलग बहानों से देश और नागरिकों को परेशान करने की साजिशें की जा रही हैं।

बोला- एक जर्मन शेफर्ड कुत्ता और कुर्सी-मेज का पैसा दे दो, मुकदमे से नाम निकाल दूंगा

प्रयागराज एसटीएफ के दरोगा ने रिश्वत में मांगी गाय-भैंस

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज एसटीएफ में तैनात दरोगा ने शराब तस्करी के मुकदमे से नाम निकालने के बदले 2 गाय, एक जर्मन शेफर्ड कुत्ता और भैंस मांगी। फोन कॉल पर उसने कुर्सी-मेज खरीदने के लिए 35 हजार रुपए भी मांगे। आरोपी दरोगा रणेन्द्र कुमार सिंह ने मनवीर सिंह से कहा कि ये सब देने पर उसका नाम मुकदमे से बाहर कर देगा।

एफआईआर हरियाणा के हिसार में दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता मनवीर सिंह ने दरोगा से बातचीत की 45 ऑडियो रिकॉर्डिंग और स्क्रीनशॉट हरियाणा के एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंपे। ब्यूरो की जांच में रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्य सही पाए गए। इसके बाद 6 अक्टूबर 2026



मनवीर सिंह के खिलाफ प्रयागराज के नवाबगंज थाने में 2 सितंबर 2023 को अवैध शराब तस्करी के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। इसी केस से नाम निकलवाने के बदले दरोगा पर रिश्वत मांगने का आरोप है।

को दरोगा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। हरियाणा के हिसार जिले के ब्यानाखेड़ा गांव के रहने वाले मनवीर सिंह उर्फ मन्नू के खिलाफ प्रयागराज के नवाबगंज थाने में 2 सितंबर 2023 को अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, दरोगा रणेन्द्र कुमार सिंह ने ही इस मामले में तहरीर दी थी।



फोन पर मांगे 35 हजार रुपये, गाय और भैंस भी मांगी

जांच रिपोर्ट के मुताबिक, 1 फरवरी 2026 की एक रिकॉर्डिंग में दरोगा ने किसी अन्य युवक के माध्यम से मोबाइल पर भुगतान के लिए स्कैनर भेजकर कुर्सी-मेज खरीदने के नाम पर 35 हजार रुपये मांगे। दूसरी रिकॉर्डिंग में हिमांशु नाम के युवक के स्कैनर पर 10 हजार रुपये भेजने के लिए कहा गया। जांच में यह भी सामने आया कि 1 फरवरी को दरोगा ने मनवीर को फोन कर दो गाय देने के लिए कहा था। मनवीर के मुताबिक, उसने 3 फरवरी को दरोगा को दो गाय भेज दीं। इस बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी उसने जांच एजेंसी को सौंपी। इसके बाद 9 फरवरी को दरोगा ने फिर फोन किया और एक गाय तथा एक भैंस और भेजने को कहा। आरोप है कि दरोगा ने इसके बदले मनवीर का नाम मुकदमे से हटाने का आश्वासन दिया।

जेल में रेपिस्ट परवेज की मौत झाड़ फूंक के बहाने करता था दुष्कर्म

आजीवन कारावास में 8 साल से बंद था

तमसा संकेत, एजेंसी



गोरखपुर । गोरखपुर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे परवेज परवाज (उम्र 72 साल) की मौत हो गई। काफी समय से बीमार चल रहे परवेज की शनिवार देर रात तबीयत बिगड़ गई थी। जेल प्रशासन ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां देर रात उसकी मौत हो गई। वह पिछले करीब आठ साल से जेल में बंद था।

उसे शुगर और ब्लड प्रेशर समेत कई बीमारियां थीं। कुछ दिन पहले जेल प्रशासन की ओर से उसकी आंखों का ऑपरेशन भी कराया गया था। परवेज परवाज पहली बार 2007 में चर्चा में आया था। तब उसने गोरखपुर में हुए दंगों को लेकर तत्कालीन सांसद (वर्तमान मुख्यमंत्री) योगी आदित्यनाथ पर एक केस किया था। हालांकि बाद में सबूत के तौर पर पेश की गई सीडी की जांच में छेड़छाड़ पाई गई थी। सीडी को लेकर परवेज परवाज पर भी केस दर्ज हुआ था। दंगों के दौरान परवाज पर एनएसए के तहत ऐक्शन हुआ था। इस संबंध में जेल अधीक्षक दिलीप पांडेय ने बताया कि काफी दिनों से बंदी बीमार चल रहा था। देर रात 2 बजे इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। परवेज परवाज राजघाट थाना क्षेत्र के तुर्कमानपुर का निवासी था। जून 2018 में एक महिला ने उसके और महमूद उर्फ जुम्मन बाबा के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। महिला का आरोप था कि झाड़-फूंक के बहाने बुलाकर दोनों ने रिवाल्वर के बल पर उसके साथ दुष्कर्म किया था।

छापेमारी : कट गई थी गर्दन, पत्नी देखने के लिए चिल्लाती रही, 374 दुकानों पर छापा

मांझे में फंसकर युवक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में शनिवार को चाइनीज मांझे से युवक की मौत के बाद जिले में ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस दौरान सभी थाना क्षेत्रों में 374 दुकानों की जांच हुई। इनमे 9 दुकानों में प्रतिबंधित मांझा मिला। पुलिस 9 दुकानदारों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ने इन दुकानों से 77 बंडल चाइनीज मांझा बरामद किया है। शहर के तिवारीपुर, कोतवाली और राजघाट थाना क्षेत्र में रात भर छापेमारी चलती रही।

गोरखपुर में चाइनीज मांझे से 35 साल के युवक की गर्दन कट गई। उसकी सड़क पर ही तड़प-तड़पकर मौत हो गई। शनिवार दोपहर 1 बजे वह मोपेड से दुकान जा रहा था,





शनिवार शाम पुलिस की मौजूदगी में गमगीन माहौल में राजघाट में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने परिवार को ढांढस बंधाया और मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

तभी गर्दन में चाइनीज मांझा फंस गया। उसने ब्रेक मारा, लेकिन तब तक आधी गर्दन कट चुकी थी।

युवक मोपेड के साथ सड़क पर गिर पड़ा। गर्दन से तेजी से खून निकलने लगा। राहगीरों ने युवक को उठाया और जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने रमेश कन्नौजिया को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पत्नी रोते हुए जिला अस्पताल पहुंची। पति का चेहरा देखने की जिद करने लगी। पहले तो पुलिसवालों ने मना किया, लेकिन बाद में चेहरा दिखाया। SP ने चौकी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया। घटना शहर के तिवारीपुर थाना क्षेत्र में हुई।



पोस्टमार्टम के बाद हुआ अंतिम संस्कार

प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की चपेट में आने से जान गंवाने वाले 35 वर्षीय रमेश कन्नौजिया की मौत अत्यधिक रक्तस्राव से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में श्वासनली और गर्दन की मुख्य धमनियां क्षतिग्रस्त होने की पुष्टि हुई है।

पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के अनुसार, मांझे से गर्दन पर गंभीर चोट आई थी, जिससे श्वासनली और मुख्य धमनियां कट गई थीं। इसके चलते अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और रमेश की मौत हो गई। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

सेना की मॉक ड्रिल विवेकानंद क्रूज के पास हवा में स्थिर रहा हेलीकॉप्टर

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में प्रस्तावित मेगा एयर शो को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 22, 24 और 25 अक्टूबर को होने वाले आयोजन से पहले भारतीय वायु सेना और प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने में जुटे हैं। इसी क्रम में रविदास घाट पर सेना के हेलीकॉप्टर की मदद से मॉक ड्रिल की गई। इसमें आपात स्थिति से निपटने के लिए जरूरी प्रक्रियाओं का अभ्यास किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान सेना का हेलीकॉप्टर रविदास घाट पर खड़े विवेकानंद क्रूज के पास पहुंचा। कुछ मिनट तक हेलीकॉप्टर क्रूज की छत के करीब हवा में स्थिर रहा। इसके बाद हेलीकॉप्टर से क्रूज की ओर रस्सा लटकाया गया और निर्धारित प्रक्रिया के तहत अभ्यास किया गया। अभ्यास पूरा होने के बाद हेलीकॉप्टर वापस उड़ गया।



हेलीकॉप्टर की आवाज सुनकर घाट पर जुटे लोग

गंगा घाटों के आसपास हेलीकॉप्टर की आवाज सुनते ही लोगों का ध्यान आसमान की ओर चला गया। कई लोग मोबाइल से तस्वीरें और वीडियो बनाने के लिए घाट की तरफ पहुंचने लगे। क्रूज के पास हेलीकॉप्टर को हवा में स्थिर देखकर लोगों में कौतूहल रहा। स्थानीय लोगों में भी प्रस्तावित एयर शो को लेकर उत्साह है। लोग भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों को आसमान में उड़ान भरते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं।

इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य बड़े आयोजन के दौरान किसी संभावित आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखना था। एयर शो में सुरक्षा व्यवस्था अहम है। ऐसे में आयोजन से पहले इस तरह का अभ्यास तैयारियों का हिस्सा है।

पहली बार हुई शॉर्ट कोर्स सीनियर राज्य स्तरीय चैंपियनशिप का समापन, 166 अंकों के साथ वाराणसी ओवरऑल विजेता

पांच-पांच स्वर्ण जीत अनुराग रितिक बने संयुक्त चैंपियन

शानदार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित प्रथम शॉर्ट कोर्स सीनियर राज्य स्तरीय तैराकी चैंपियनशिप में वाराणसी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। दो दिवसीय प्रतियोगिता में 166 अंक हासिल कर वाराणसी की टीम ओवरऑल चैंपियन बनी। पुरुष वर्ग में अनुराग आर. सिंह और रितिक शर्मा ने पांच-पांच स्वर्ण पदक जीतकर संयुक्त चैंपियन का खिताब हासिल किया। वहीं, महिला वर्ग में अंतरा सिंह चार स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियन बनीं। रविवार को प्रतियोगिता के समापन पर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित



जिला पंचायत प्रशासक श्याम सुंदर वर्मा और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट थानिगैअरासन टी. ने कहा कि निरंतर अभ्यास और खेल भावना सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को अभ्यास जारी रखने और खेल के प्रति समर्पित रहने की बात कही।

किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन और मेहनत की भावना विकसित करते हैं। खेल प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देती हैं। विधायक धर्मराज निषाद ने खिलाड़ियों को बेहतर मंच और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने पर जोर दिया। कार्यक्रम में तैराकी संघ के प्रदेश कार्यपालक अधिकारी रविन कपूर, प्रदेश सचिव शिवम कपूर, जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मंजूर आलम अंसारी और तैराकी संघ के जिला सचिव मृत्युंजय सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता के समापन पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेलों को प्रोत्साहन देने के प्रयासों पर चर्चा हुई।



अनुराग और रितिक के नाम पांच-पांच स्वर्ण

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के अनुराग आर. सिंह और रितिक शर्मा ने पांच-पांच स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। दोनों को संयुक्त रूप से चैंपियन घोषित किया गया। महिला वर्ग में अंतरा सिंह ने चार स्वर्ण पदक जीतकर खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर वाराणसी की टीम 166 अंक जुटाकर ओवरऑल चैंपियनशिप जीतने में सफल रही।

36 स्पर्धाओं में हुआ मुकाबला, सभी 147 खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि

दो दिनों तक चली प्रतियोगिता में 36 स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इनमें पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को समापन समारोह में अतिथियों ने सम्मानित किया। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी 147 प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए 1,100-1,100 रुपये की राशि भी दी गई।

50 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी करणी सेना : अभिनव सिंह

प्रदेश अध्यक्ष बोले-जातिवाद के खिलाफ चलाएंगे अभियान

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव सिंह ने कहा कि संगठन विस्तार के तहत प्रदेश के सभी जिलों में संगठन को मजबूत किया जा रहा है। करणी सेना जातिवाद के खिलाफ अभियान चलाएगी और समाज को बांटने की कोशिश करने वालों का विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि संगठन 50 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुका है। किसी भी जाति और मजहब का व्यक्ति चुनाव लड़ना चाहेगा तो उसे प्रत्याशी बनाने पर विचार किया जाएगा।

अंबेडकरनगर पहुंचे अभिनव सिंह ने कहा कि जातियों के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश हो रही



है। सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने यूजीसी से जुड़े प्रावधानों को वापस लेने, आरक्षण व्यवस्था में सुधार और शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुत्ववादी नेताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। संगठन इसका विरोध करेगा। अभिनव सिंह ने कहा कि यदि सरकार अपनी नीतियों पर विचार नहीं करती और सामाजिक विभाजन की स्थिति बनी रहती है तो करणी सेना संबंधित राजनीतिक दलों का विरोध करेगी। दिल्ली के घटनाक्रम पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के परिवार के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल उचित नहीं है। हालांकि, युवाओं का सड़कों पर उतरना भी दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को रोजगार और रोटी जैसे मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने पाठ्यक्रम में सनातन संस्कृति की शिक्षा अनिवार्य रूप से शामिल करने की वकालत की। कहा कि भगवान राम और कृष्ण की परंपरा सामाजिक समरसता का संदेश देती है। संगठन जातीय भेदभाव का विरोध करते हुए राष्ट्रहित के मुद्दे उठाता रहेगा।

फास्ट न्यूज

बेवाना पुलिस ने चार वारंटी अभियुक्तों को घर से पकड़ा

अंबेडकरनगर। बेवाना पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के अनुपालन में चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान लाल बहादुर, विजय बहादुर और शीतला प्रसाद, तीनों पुत्र नान्हू निषाद, तथा खुशीराम पुत्र लाल बहादुर के रूप में हुई है।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थलों का निरीक्षण

अंबेडकरनगर। शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा को देखते हुए जिले में प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर तैयारियों की समीक्षा शुरू हो गई है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर उप जिलाधिकारियों ने विभिन्न विसर्जन घाटों और निर्धारित स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, बैरिकेडिंग और साफ-सफाई समेत जरूरी सुविधाओं की स्थिति देखी गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी व्यवस्थाएं तय समयसीमा में पूरी कर ली जाएं, ताकि प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।

नवरात्र से पहले खाद्य विभाग की छापेमारी

अंबेडकरनगर। नवरात्र और दशहरा पर्व से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावट की आशंका पर जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। अभियान के दौरान कुट्टू आटा, सिंघाड़ा आटा, मूंगफली दाना और घी के कुल छह नमूने लिए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने रगड़गंज स्थित वर्मा ब्रदर्स एंड संस से कुट्टू आटे का नमूना लिया।

युवाओं में बढ़ रहा डिप्रेशन और तनाव, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

मानसिक समस्याओं को गंभीरता से लेने की अपील

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शनिवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय, अकबरपुर में जागरूकता शिविर और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आशीर्वाद फाउंडेशन, लखनऊ के सहयोग से कार्यक्रम कराया। इसमें मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और युवाओं में बढ़ती मानसिक समस्याओं पर जानकारी दी गई।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीएन यादव ने कहा कि मानसिक समस्याएं भी शारीरिक बीमारियों की तरह गंभीर होती हैं। युवाओं में डिप्रेशन, एंजायटी और तनाव की समस्या बढ़ रही है। पढ़ाई और नौकरी का दबाव, करियर की अनिश्चितता, पारिवारिक अपेक्षाएं और असफलता का डर इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सोशल



मीडिया पर दूसरों से तुलना करने की प्रवृत्ति भी युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

उन्होंने बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्तूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और मानसिक समस्याओं को समझने के लिए लोगों को प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पराविधिक स्वयंसेवकों ने भी लोगों को उपयोगी जानकारी दी। आशीर्वाद फाउंडेशन के सहयोगियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

अब तक करीब 130 परिवारों तक पहुंचा जनसंपर्क अभियान

भाजपा की नई जिला कार्यकारिणी में जगह नहीं मिलने के बाद क्षेत्र में सक्रियता बनी चर्चा का विषय

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विधानसभा चुनाव 2027 में अभी समय है, लेकिन जलालपुर में संभावित दावेदारों की सक्रियता ने सियासी चर्चाओं को हवा देनी शुरू कर दी है। भाजपा से टिकट की दावेदारी कर रहे डॉ. रजनीश सिंह दलित परिवारों के घर पहुंचकर भोजन कर रहे हैं और लोगों से संपर्क बढ़ा रहे हैं। उनके मुताबिक, अब तक करीब 130 परिवारों तक उनकी पहुंच हो चुकी है। उनकी इस पहल को चुनाव से पहले जनाधार बढ़ाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

डॉ. रजनीश सिंह की गतिविधियां केवल एक-दो स्थानों तक सीमित नहीं हैं। वह दलित परिवारों के बीच पहुंचकर संवाद कर रहे हैं। चुनाव से पहले अलग-अलग सामाजिक वर्गों



के बीच संपर्क बढ़ाने की राजनीति में अहम भूमिका होती है। ऐसे में उनके इस अभियान को जलालपुर में सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, इस पहल को लेकर उनकी ओर से किसी औपचारिक चुनावी रणनीति की घोषणा नहीं की गई है।

डॉ. रजनीश सिंह इससे पहले भाजपा के जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। पार्टी की नई जिला कार्यकारिणी में उन्हें जगह नहीं मिली। इसके बावजूद वह क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं। संगठन की नई टीम में स्थान नहीं मिलने और दूसरी ओर जनसंपर्क बढ़ाने की उनकी कोशिशों ने उनकी राजनीतिक भूमिका को लेकर चर्चा तेज कर दी है।

अब सवाल यह है कि उनकी प्राथमिकता संगठन में नई जिम्मेदारी हासिल करना है या विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी को मजबूत करना। फिलहाल, इस संबंध में कोई आधिकारिक स्थिति सामने नहीं आई है। भाजपा ने भी जलालपुर सीट से 2027 के चुनाव के लिए किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। राजनीति में जनसंपर्क के साथ सामाजिक संपर्क भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

नवरात्र में भी पदुमपुर बाजार में गंदगी सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रधान प्रतिनिधि ने सफाई कर्मचारियों के कामकाज पर जताई असमर्थता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नवरात्र के दौरान जहांगीरगंज विकासखंड के पदुमपुर बाजार में साफ-सफाई की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। बाजार में जगह-जगह गंदगी फैली होने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। त्योहार के मद्देनजर सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देशों के बावजूद बाजार की स्थिति को लेकर लोगों में नाराजगी है। शासन स्तर से दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना वाले स्थलों और उनके आसपास साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद पदुमपुर बाजार में सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने का आरोप है। स्थानीय स्तर पर सफाई कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

इस संबंध में प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि जब से सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) ने सफाई



कर्मचारियों का पैरोल प्रधान के बजाय स्वयं देने की बात कही है, तब से कर्मचारी उनकी बात नहीं मानते हैं। ऐसे में उनके सामने भी समस्या है। हालांकि, सफाई व्यवस्था प्रभावित होने के कारणों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मामले में खंड विकास अधिकारी ने बताया कि बाजार में साफ-सफाई कराई जा रही है। हालांकि, बाजार में गंदगी की शिकायत और सफाई कार्य की स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। नवरात्र के दौरान बाजार और प्रतिमा स्थापना स्थलों के आसपास सफाई व्यवस्था बनाए रखना स्थानीय प्रशासन के लिए अहम है।

विकास और राजस्व कार्यों में जिले ने हासिल किया पहला स्थान

सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में अंबेडकरनगर प्रदेश में नंबर वन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और राजस्व संबंधी कार्यों की प्रगति में अंबेडकरनगर ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में जिले को यह उपलब्धि मिली है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के नेतृत्व में विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा, योजनाओं की निगरानी और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया। विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से जिले ने प्रदेश स्तर पर यह स्थान प्राप्त किया।

सीएम डैशबोर्ड पर विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति के आधार पर रैंकिंग की जाती है। ऐसे में जिले को पहला स्थान मिलना



विकास और राजस्व से जुड़े निर्धारित कार्यों की प्रगति में बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। इसके लिए विभागों के बीच समन्वय और लक्ष्यों के अनुरूप काम पूरा करने की प्रक्रिया अहम रही।

इस उपलब्धि में मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु और जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अनुपम सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका रही।

प्रदेश में पहला स्थान मिलने के बाद अब प्रशासन के सामने इस प्रदर्शन को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी है। इसके लिए विकास योजनाओं की नियमित निगरानी, राजस्व कार्यों की समीक्षा और जनसमस्याओं के समयबद्ध निस्तारण पर निरंतर ध्यान देना होगा।

योजनाओं की प्रगति पर रही प्रशासन की नजर

शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जिले में संचालित विकास योजनाओं और राजस्व संबंधी कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए। जनसमस्याओं के निस्तारण में भी गुणवत्ता और समयसीमा का ध्यान रखा जाए। विभागीय स्तर पर जवाबदेही तय करने और कार्यों की प्रगति पर नियमित नजर रखने पर विशेष जोर दिया गया है।

कार्यों की नियमित समीक्षा, प्रभावी निगरानी और समयबद्ध लक्ष्य पूर्ति के प्रयासों से जिले को प्रदेश की रैंकिंग में पहला स्थान मिला। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने इस उपलब्धि को टीमवर्क और सामूहिक जिम्मेदारी का परिणाम बताया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से आगे भी इसी कार्यदक्षता और पारदर्शिता के साथ काम करने की अपेक्षा की। साथ ही विकास कार्यों को गति देने और शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

कर्म और संस्कारों को बताया जीवन की पहचान : ओमप्रकाश

स्वामी ओमप्रकाश बोले-जैसे बीज के गुण से फल का स्वाद तय होता है, वैसे ही कर्म और संस्कार बनाते हैं व्यक्ति का व्यक्तित्व, सैकड़ों लोगों ने लिया धर्म रक्षा का संकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा तहसील क्षेत्र के हकीमपुर गांव में आयोजित संत सम्मेलन में कर्म, संस्कार और सदाचार का संदेश दिया गया। वरिष्ठ समाजसेवी विद्याराम विश्वकर्मा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में संतों ने सनातन धर्म के सिद्धांतों पर चलने और देश, धर्म व मर्यादा की रक्षा के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। सम्मेलन में सैकड़ों लोगों ने धर्म रक्षा का संकल्प लिया। मिशन योगी अगेन सीएम उत्तर प्रदेश के प्रदेश संयोजक स्वामी ओमप्रकाश ने कहा कि मनुष्य के जीवन की पहचान उसके कर्मों और संस्कारों से होती है। सृष्टि में जीवन अनमोल है, लेकिन मनुष्य अपने साथ कुछ लेकर नहीं जाता। ऐसे में उसके आचरण और कर्म ही महत्वपूर्ण होते



हैं। उन्होंने लोगों से अच्छे विचार अपनाने और अपने व्यवहार में सदाचार को स्थान देने की अपील की। स्वामी ओमप्रकाश ने कर्म और संस्कारों का महत्व समझाने के लिए प्रकृति का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि बारिश का पानी पेड़-पौधों और फसलों को समान रूप से मिलता है, लेकिन करेला कड़वा, गन्ना मीठा और इमली खट्टी होती है। इसकी वजह उनके बीजों के अलग-अलग गुण हैं। इसी तरह व्यक्ति के संस्कार और कर्म उसके व्यक्तित्व को आकार देते हैं।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने विचार, आचरण और व्यवहार में अच्छे संस्कारों को अपनाना चाहिए। 'ईशावास्यमिदं सर्वम्' के भाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने सृष्टि के प्रति सम्मान और अपने कर्तव्यों के निर्वहन पर जोर दिया।

सम्मेलन में अखिल भारतीय संत समिति के जिलाध्यक्ष महंत श्यामसुंदर दास, बाबा राम उजागिर दास, बाबा छांगुर दास, बाबा पहलवान दास, बाबा फरसाधारी, बाबा अनंतराम दास, बाबा लल्लू दास और बाबा राममूरत दास सहित कई संत मौजूद रहे। संतों ने लोगों से सनातन धर्म के सिद्धांतों को अपनाने और देश, धर्म व सामाजिक मर्यादाओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थलों का निरीक्षण, समय से पूरी करें तैयारियां

डीएम के निर्देश पर एसडीएम ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा



तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा को देखते हुए जिले में प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर तैयारियों की समीक्षा शुरू हो गई है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर उप जिलाधिकारियों ने विभिन्न विसर्जन घाटों और निर्धारित स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, बैरिकेडिंग और साफ-सफाई समेत जरूरी सुविधाओं की स्थिति देखी गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी व्यवस्थाएं तय समयसीमा में पूरी कर ली जाएं, ताकि प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।

जिलाधिकारी ने पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने और विसर्जन स्थलों पर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का जोर पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने पर है।

बयान : राजभर बोले-हर विधानसभा क्षेत्र में 14 से 20 हजार मृतकों के नाम हटाए गए

फर्जी मतदान की चिंता से एसआईआर का विरोध कर रहा विपक्ष : राजभर

- अंबेडकरनगर में सुभासपा अध्यक्ष का सपा पर निशाना
- अखिलेश यादव को जहूराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआई-आर) को लेकर जारी सियासी बहस के बीच कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने विपक्ष पर निशाना साधा। रविवार को अंबेडकरनगर पहुंचे राजभर ने कहा कि मतदाता सूची से मृतकों और दूसरी जगह बस चुके लोगों के



नाम हटाए जा रहे हैं, फिर विपक्ष को आपत्ति क्यों है? उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष को चिंता है कि अब फर्जी मतदान कैसे होगा। राजभर ने दावा किया कि एसआईआर के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 14 हजार से 20 हजार तक मृतकों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग गांव छोड़कर शहरों या दूसरे राज्यों में बस गए हैं। कुछ मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों की सूची में दर्ज हैं। ऐसे लोगों को एक स्थान पर नाम दर्ज कराने का विकल्प दिया गया है।

सुभासपा अध्यक्ष ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने अखिलेश को अपने विधानसभा क्षेत्र जहूराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी। राजभर ने कहा कि अगर अखिलेश अयोध्या से चुनाव लड़ने में हिचक रहे हैं तो जहूराबाद आकर उनसे मुकाबला कर सकते हैं। राजभर ने दावा किया कि जहूराबाद में अखिलेश को अपनी राजनीतिक स्थिति और एनडीए गठबंधन की ताकत का अंदाजा लग जाएगा। एसआईआर पर विपक्ष की आपत्तियों के बीच राजभर का यह बयान मतदाता सूची के पुनरीक्षण और आगामी चुनावों को लेकर जारी राजनीतिक टकराव को सामने लाता है।

चुनाव आयोग के समर्थन में उतरे राजभर

राजभर ने चुनाव आयोग को संवैधानिक संस्था बताते हुए कहा कि उसके खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करना उचित नहीं है। उन्होंने विपक्ष से सवाल किया कि मृतकों और दोहरी प्रविष्टियों वाले नाम हटाने पर आपत्ति क्यों की जा रही है। उनके मुताबिक, मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाने के बजाय विपक्ष को अपनी आपत्तियों का आधार स्पष्ट करना चाहिए।

शारदीय नवरात्र शुरू, मां शैलपुत्री के दर्शन को मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

जलालपुर और टांडा तक दिखी पूजा की रौनक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को जिले भर में देवी आराधना की धूम रही। सुबह से ही देवी मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई। भक्तों ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। घरों में कलश स्थापना के साथ नौ दिवसीय पूजा-अनुष्ठान भी शुरू हो गए।

जिला मुख्यालय अकबरपुर के अलावा जलालपुर, टांडा, आलापुर और कटेहरी समेत विभिन्न क्षेत्रों में नवरात्र का उत्साह दिखाई दिया। सुबह स्नान के बाद श्रद्धालु पूजा की थाली लेकर मंदिरों में पहुंचे। मंदिरों में घंटा-घड़ियाल की गूंज और मां के जयकारे सुनाई दिए। घरों में दुर्गा सप्तशती का पाठ शुरू हुआ। कई श्रद्धालुओं ने पूरे नौ दिन व्रत रखने



का संकल्प लिया।

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां शैलपुत्री की आराधना से सुख-शांति और समृद्धि की कामना की जाती है। इसी आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने मंदिरों में दर्शन किए और घर-परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। नवरात्र शुरू होते ही बाजारों में भी रौनक बढ़ गई। मंदिरों के आसपास और प्रमुख बाजारों में फूल-माला, नारियल, चुनरी और पूजन सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही रही।

सम्पादकीय

एक और आवश्यक पत्र



एक ऐसे समय जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ विपक्ष संकीर्ण राजनीतिक कारणों से मोर्चा खोले हुए है और काकरोच जनता पार्टी भी दिल्ली में धरना-प्रदर्शन के लिए उतर आई, तब 124 पूर्व अधिकारियों का जनता के नाम जारी किया गया पत्र समूचे देश के ध्यानाकर्षण की मांग करता है।

इसलिए करता है, क्योंकि भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा के इन पूर्व अधिकारियों के इतने बड़े समूह ने अपने पत्र में कुछ ऐसी बातों का उल्लेख किया है, जिनकी अनदेखी करना कठिन है। उनका यह कहना बिल्कुल सही है कि संदेह प्रमाण का पर्याय नहीं हो सकता। विडंबना यह है कि एसआईआर को लेकर जो संदेह खड़े किए जा रहे हैं, वे तिल का ताड़ बनाने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं। एसआईआर जैसी व्यापक एवं गहन प्रक्रिया में छोटी-मोटी त्रुटियां होना स्वाभाविक हैं, लेकिन इन त्रुटियों को वोट चोरी का नाम देना और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करार देना जनता को गुमराह करना ही है। इस तरह की कोशिश न केवल संस्थाओं की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाती है, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के भरोसे को कमजोर करने का भी काम करती है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और मुख्य चुनाव आयुक्त भी संवैधानिक पद पर आसीन हैं।

यदि विपक्ष के पास एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर उनके खिलाफ कोई ठोस प्रमाण हैं तो उसे सड़कों पर उतरने के स्थान पर सुप्रीम कोर्ट के समक्ष जाना चाहिए। वैसे भी सुप्रीम कोर्ट एसआईआर के विभिन्न पहलुओं की सुनवाई कर रहा है। विपक्ष को यह समझना होगा कि किसी झूठ को बार-बार दोहराने से वह सत्य नहीं हो जाता।

पूर्व नौकरशाहों ने अपने पत्र में इसका भी उल्लेख किया है कि उनमें से अनेक चुनाव प्रक्रिया के संचालन में शामिल रहे हैं और उन्होंने वह दौर भी देखा है, जब चुनावों में वास्तव में बड़े पैमाने पर धांधली होती थी। यह न केवल विचित्र, बल्कि हास्यास्पद भी है कि अभी हाल तक मतदाता सूचियों में तमाम अशुद्धियों और विशेष रूप से फर्जी वोटरों के शामिल होने की शिकायत करने वाले विपक्षी दल इन अशुद्धियों को दूर करने की प्रक्रिया के खिलाफ अपुष्ट आरोपों की आड़ में चुनाव आयोग के विरुद्ध माहौल बनाए हुए हैं। ऐसा लगता है कि वे एसआईआर की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट पर भी भरोसा करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यदि लोकतंत्र की दुहाई देने वाले राजनीतिक दल सुप्रीम कोर्ट जैसी संवैधानिक संस्था पर भी भरोसा नहीं करेंगे तो वे अपनी विश्वसनीयता ही खोएंगे। विपक्ष को पूर्व नौकरशाहों के पत्र पर भी आत्मचिंतन करना चाहिए और इसके पहले लिखे गए पूर्व न्यायाधीशों के पत्र पर भी।

वनाधिकार कानून: कागज पर हक, जमीन पर इंतजार

> 66 वनाधिकार अधिनियम ने स्वीकार किया कि अनुसूचित जनजातियों और दूसरे परंपरागत वनवासियों के साथ ऐतिहासिक अन्याय हुआ है तथा उनके परंपरागत अधिकारों को पर्याप्त कानूनी मान्यता नहीं मिली।



जंगल को बचाने वाली पीढ़ियां आज अपने ही जंगल पर अधिकार साबित करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रही हैं। जिन आदिवासी और परंपरागत वनवासी समुदायों ने जंगलों के साथ जीना सीखा, उनकी रक्षा की और अपनी संस्कृति को प्रकृति के साथ विकसित किया, उन्हें आज भी अपनी जमीन और आजीविका के लिए कानूनी मान्यता का इंतजार करना पड़ रहा है। यह केवल प्रशासनिक उदासीनता का मामला नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक अन्याय का विस्तार है, जिसे दूर करने के लिए वनाधिकार अधिनियम, 2006 बनाया गया था। कानून लागू हुए करीब दो दशक बीत चुके हैं, लेकिन सवाल जस का तस है—क्या वनवासियों को उनका हक मिला, या अधिकारों की घोषणा के बाद उन्हें सरकारी प्रक्रियाओं के हवाले छोड़ दिया गया? 9 अक्टूबर 2026 को कोलकाता में वनाधिकार कानून के क्रियान्वयन पर आयोजित दूसरे क्षेत्रीय समीक्षा सम्मेलन ने इस सवाल को फिर सामने ला दिया। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय की पहल पर आयोजित इस सम्मेलन में पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा, झारखंड, ओडिशा, बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। आंध्र प्रदेश को वनाधिकार पत्रों के डिजिटलीकरण, सरकारी अभिलेखों में उनके दर्जीकरण और लाभार्थियों को आजीविका योजनाओं से जोड़ने के अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। सितंबर में बेंगलुरु में आयोजित पहला क्षेत्रीय सम्मेलन इसी समीक्षा प्रक्रिया की अगली कड़ी था।

सम्मेलन का उद्देश्य लंबित दावों के निपटारे में आने वाली बाधाओं को पहचानना और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के रास्ते तलाशना था। उद्देश्य अच्छा है, लेकिन सवाल यह है कि समीक्षा बैठकों से निकलने वाले निर्णय उन गांवों तक कब पहुंचेंगे, जहां लोग पीढ़ियों से जंगल पर निर्भर हैं? किसी सम्मेलन की सफलता अधिकारियों की प्रस्तुतियों या जारी निर्देशों से नहीं, बल्कि इस बात से तय होनी चाहिए कि कितने वंचित परिवारों को अधिकार मिला और कितने समुदायों की जिंदगी में वास्तविक बदलाव आया।

जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, 30 जून 2026 तक देशभर में 54,01,561 वनाधिकार दावे प्राप्त हुए थे। इनमें 25,42,359 दावों के तहत अधिकार पत्र वितरित किए गए, 18,13,232 दावे खारिज हुए और 10,45,970 लंबित थे। ये आंकड़े राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की मासिक प्रगति रिपोर्ट पर आधारित थे। कोलकाता सम्मेलन से संबंधित विवरण में 31 अगस्त 2026 तक की स्थिति को मोटे तौर पर 54 लाख से अधिक प्राप्त दावों, लगभग 25 लाख जारी अधिकार पत्रों, करीब 11 लाख लंबित दावों और 18 लाख से अधिक खारिज दावों के रूप में बताया गया। जून और अगस्त की स्थितियां अलग-अलग तारीखों की हैं, इसलिए दोनों को एक ही समय का आंकड़ा मानना उचित नहीं होगा। हालांकि, इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि वनाधिकार कानून के क्रियान्वयन की प्रक्रिया अभी अधूरी है। देशभर में लाखों दावों का लंबित रहना केवल प्रशासनिक आंकड़ा नहीं है। हर लंबित दावे के पीछे एक परिवार, उसकी आजीविका और उसके भविष्य का सवाल हो सकता है। इसी तरह, किसी दावे का खारिज होना भी अपने आप में अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। यह जानना जरूरी है कि दावे किन कारणों से अस्वीकृत हुए, क्या आवेदकों को निर्णय की जानकारी मिली और क्या उन्हें अपील या पुनर्विचार का अवसर दिया गया। आवेदन का निपटारा कर देना और न्याय सुनिश्चित करना अलग-अलग बातें हैं। इस कानून का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत जमीन पर अधिकार देना नहीं, बल्कि समुदायों के परंपरागत वन संसाधनों पर अधिकारों को भी पहचानना है। इसके बावजूद क्रियान्वयन में व्यक्तिगत अधिकार पत्रों पर ध्यान केंद्रित रहने और सामुदायिक अधिकारों को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिलने का सवाल उठता रहा है।

दूरदराज के गांवों में रहने वाले वनवासियों के पास पुराने भूमि दस्तावेज हमेशा उपलब्ध नहीं होते। कई बार वन विभाग और राजस्व विभाग के अभिलेखों में जमीन की सीमाओं और उपयोग को लेकर अंतर होता है। ऐसी स्थिति में केवल कागजी साक्ष्यों के आधार पर निर्णय लेना कानून के उद्देश्य को कमजोर कर सकता है। स्थानीय परंपराओं, उपलब्ध साक्ष्यों और जमीन के परंपरागत उपयोग को समझना भी जरूरी है। इसका अर्थ यह नहीं कि जांच की जरूरत समाप्त हो जाए, बल्कि यह है कि जांच की प्रक्रिया न्यायपूर्ण हो और दस्तावेजों की कमी के कारण पात्र व्यक्ति अपने अधिकार से वंचित न रह जाए।

वनाधिकार कानून के तहत व्यक्तिगत वनाधिकार, सामुदायिक वनाधिकार और सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों के बीच अंतर समझना जरूरी है। व्यक्तिगत वनाधिकार पात्र परिवारों के मान्य अधिकारों से संबंधित है। सामुदायिक वनाधिकार के अंतर्गत गांव के लोगों के परंपरागत उपयोग से जुड़े संसाधनों और अधिकारों को मान्यता मिल सकती है। इनमें लघु वनोपज, चराई, जलस्रोतों और दूसरे पारंपरिक संसाधनों के उपयोग से जुड़े अधिकार शामिल हो सकते हैं। सामुदायिक वन संसाधन अधिकार, जिसे संक्षेप में सीएफआरआर कहा जाता है, ग्रामसभा को परंपरागत रूप से उपयोग किए जाने वाले वन क्षेत्र के संरक्षण, पुनर्जीवन और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका देता है। सामुदायिक वनाधिकार और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार आपस में संबंधित हैं, लेकिन दोनों एक ही श्रेणी नहीं हैं। क्षेत्रीय समीक्षा सम्मेलन से संबंधित विवरण के अनुसार, 30 जून 2026 तक देश में 19,845 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार मान्यता प्राप्त थे। यह संख्या सीएफआरआर से संबंधित है, सभी प्रकार के सामुदायिक वनाधिकारों की कुल संख्या नहीं। इसके बावजूद यह सवाल महत्वपूर्ण है कि कितनी ग्रामसभाएं अपने परंपरागत वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन में इन अधिकारों का वास्तविक इस्तेमाल कर पा रही हैं। जंगल पर निर्भर समुदायों की आजीविका महुआ, शहद, औषधीय पौधों, जलस्रोतों और चराई जैसे संसाधनों से जुड़ी होती है। व्यक्तिगत अधिकार पत्र मिलने से पूरे गांव के परंपरागत वन संसाधनों पर सामूहिक अधिकार अपने आप सुनिश्चित नहीं हो जाता। ग्रामसभा को केवल आवेदन तैयार करने या दस्तावेज प्रमाणित करने वाली संस्था समझना कानून की भावना के विपरीत होगा। उसे निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और वन संसाधनों के संरक्षण तथा प्रबंधन में प्रभावी भूमिका मिलनी चाहिए। भूमि और वन अधिकारों के सवाल पर गांधीवादी कार्यकर्ता तथा एकता परिषद के संस्थापक पी. वी. राजगोपाल का दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है।

- कुमार कृष्णन

शारदीय नवरात्र - देवी दुर्गा के अलग-अलग नौ रूपों की आराधना

आज से शारदीय नवरात्र प्रारम्भ हो गए हैं। 'नवरात्र' संस्कृत भाषा का एक शब्द है। इसका शाब्दिक अर्थ है नौ रातों का समय। इन नौ दिनों और रातों के दौरान शक्ति या देवी दुर्गा के अलग-अलग नौ रूपों की आराधना करने का विधान है। हिन्दू वर्ष में कुल चार बार नवरात्र आते हैं। इनमें दो प्रकट नवरात्र होते हैं यानी चैत्र और शारदीय नवरात्र और दो गुप्त नवरात्र होते हैं यानी माघ और आषाढ़ के नवरात्र। इनमें से चैत्र नवरात्र और आश्विन माह के शारदीय नवरात्र सबसे अधिक प्रसिद्ध हैं। ये दोनों नवरात्र व्यापक रूप से मनाए जाती हैं।

इस नवरात्र पर्व का प्रभाव देश के विभिन्न भागों में दिखाई देता है। इन नौ दिनों में लोग व्रत रखकर और पूजा करके देवी को विभिन्न तरीकों से प्रसन्न करने का यत्न करते हैं।

नवरात्रि में खेतरी या खेतड़ी बोने की परम्परा बहुत शुभ मानी जाती है। इसे ज्वारे या जयंती भी कहते हैं। यह घर में सुख, समृद्धि, हरियाली और माँ दुर्गा की कृपा का प्रतीक होती है। नवरात्रि के पहले दिन यानी प्रतिपदा तिथि को एक साफ मिट्टी के बर्तन, कसोरे या गमले में गंगाजल और थोड़ी साफ मिट्टी डाली जाती है। इसके बाद जौ या गेहूं के बीज बोए जाते हैं और उस पर हल्का पानी छिड़का जाता है। नौ दिनों तक सुबह और शाम माता की पूजा के साथ खेतड़ी पर भी जल छिड़का जाता है। इसका विसर्जन अष्टमी के दिन किया जाता है। उस दिन यानी अष्टमी के ही दिन कन्याओं का पूजन किया जाता है। उनके पैर धोकर उन्हें भोजन, वस्त्र व दक्षिणा दी जाती है। कुछ लोग यह कन्या पूजन नवमी के दिन भी करते हैं। बंगाल में दुर्गापूजा का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है और दशहरे पर माँ दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन किया जाता है। गुजरात में इन दिनों गरबे की धूम होती रहती है। इन दिनों में कुछ श्रद्धालु भक्त माँ वैष्णो देवी के दरबार में जाकर अपनी हाजिरी लगाते हैं।

चन्द्र प्रभा सूद

1978 में फिल्म... — संतोष कुमार तिवारी

नाना पाटेकर : संघर्ष से शिखर तक का सफर



मुंबई की चमक-दमक और फिल्मी दुनिया की चकाचौंध से अलग अपनी पहचान बनाने वाले अभिनेता नाना पाटेकर का जीवन संघर्ष, संवेदनशीलता, सादगी और अद्भुत अभिनय प्रतिभा की ऐसी कहानी है, जिसे भारतीय सिनेमा लंबे समय तक याद रखेगा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ अभिनय की दुनिया का एक ऐसा अध्याय समाप्त हो गया, जिसमें एक कलाकार ने केवल पर्दे पर किरदार नहीं निभाए, बल्कि अपने हर किरदार में जीवन की सच्चाइयों को उतारने का प्रयास किया। नाना पाटेकर का असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ था। उनका बचपन आर्थिक कठिनाइयों के बीच बीता। कम उम्र में ही उन्हें जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। परिवार की जिम्मेदारियों और सीमित संसाधनों ने उन्हें संघर्ष करना सिखाया। किशोरावस्था में फिल्म पोस्टर बनाने जैसे छोटे-मोटे काम करके उन्होंने अपनी जरूरतें पूरी कीं। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि यही संघर्ष करने वाला युवक एक दिन भारतीय सिनेमा के सबसे प्रभावशाली अभिनेताओं में शामिल होगा। कला के प्रति उनका लगाव उन्हें सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स तक ले गया। इसके बाद रंगमंच उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। मराठी थिएटर में लंबे समय तक काम करते हुए उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलने की कला ही नहीं सिखाई, बल्कि किरदार की आत्मा को समझने और उसे अपने भीतर उतारने की क्षमता भी दी। यही कारण रहा कि जब वह फिल्मों में आए तो उनका अभिनय बनावटी नहीं लगा, बल्कि जीवन के बेहद करीब दिखाई दिया।

1978 में फिल्म 'गमन' से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। शुरुआती वर्षों में उन्हें बड़े सितारे के रूप में पहचान नहीं मिली। उन्होंने छोटे और सहायक किरदार निभाए, लेकिन उन्होंने कभी संघर्ष से समझौता नहीं किया। धीरे-धीरे उनकी प्रतिभा फिल्मकारों और दर्शकों की नजर में आने लगी। 1988 में 'सलाम बॉम्बे!' और उसके बाद 1989 में 'परिंदा' ने उनके करियर को नई दिशा दी। 'परिंदा' में उनके अभिनय ने यह साबित कर दिया कि नाना पाटेकर केवल एक अभिनेता नहीं, बल्कि किरदार को जीवंत कर देने वाले कलाकार हैं। इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1994 में आई 'क्रांतिवीर' ने नाना पाटेकर को उस ऊंचाई तक पहुंचाया, जहां बहुत कम अभिनेता पहुंच पाते हैं। फिल्म में उनका किरदार अन्याय और भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने वाले व्यक्ति का था। उनकी आवाज, संवाद अदायगी और चेहरे के भावों ने दर्शकों के भीतर गहरी छाप छोड़ी। 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। 'परिंदा', 'क्रांतिवीर' और 'अग्निसाक्षी' के लिए तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार हासिल करना उनके अभिनय की असाधारण क्षमता का प्रमाण है। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्हें किसी एक तरह के किरदार में बांधना संभव नहीं था। वह गंभीर भूमिकाओं में जितने प्रभावशाली रहे, उतने ही सहज हास्य भूमिकाओं में भी दिखाई दिए। 'तिरंगा', 'अंगार', 'अग्निसाक्षी', 'खामोशीः द म्यूजिकल', 'शक्तिः द पावर', 'अब तक छप्पन', 'अपहरण' और 'राजनीति' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने अलग-अलग रंग दिखाए। 2007 की 'वेलकम' में उदय शेट्टी का किरदार उनके अभिनय का बिल्कुल अलग पक्ष सामने लाया। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने इस फिल्म में हास्य का ऐसा रंग भरा कि उदय शेट्टी आज भी दर्शकों की स्मृति में जीवित है। अभिनय के साथ नाना पाटेकर ने निर्देशन में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। 1991 में उन्होंने 'प्रहारः द फाइनल अटैक' का निर्देशन किया। सेना और सैनिकों के जीवन के प्रति उनका लगाव भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। उनके लिए देशभक्ति केवल पर्दे पर निभाया जाने वाला किरदार नहीं थी, बल्कि जीवन में भी उसका अपना महत्व था। कारगिल युद्ध के दौरान सैनिकों के बीच उनकी मौजूदगी ने उनके इस जुड़ाव को और स्पष्ट किया। 2016 में आई मराठी फिल्म 'नटसम्राट' में उन्होंने एक सेवानिवृत्त रंगमंच अभिनेता की भूमिका निभाई। यह भूमिका जैसे उनके अपने रंगमंचीय जीवन और अभिनय अनुभव का आईना थी। उम्र, अकेलेपन, परिवार, रिश्तों और एक कलाकार की टूटती दुनिया को उन्होंने जिस गहराई से पर्दे पर उतारा, उसने एक बार फिर साबित किया कि अभिनय में उनकी पकड़ कितनी मजबूत थी।

भौगोलिक और... — डॉ0 सीमा गुप्ता

सरकारी अनुदान से जौनपुर के समृद्ध मौर्या ने स्थापित किया समृद्ध बी फार्म

जनपद जौनपुर के विकास खंड सिकारा अंतर्गत ग्राम सैदनपुर में परंपरागत मौनपालन को आधुनिक कृषि-व्यवसाय का स्वरूप देकर ग्रामीण युवाओं के लिए आर्थिक स्वावलंबन की नई मिसाल स्थापित की गई है। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन और हनी मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से जनपद में कृषि विविधीकरण को एक सुदृढ़ और व्यावहारिक आधार प्राप्त हो रहा है। सैदनपुर निवासी समृद्ध मौर्या ने अपने परिवार में वर्ष 1992 से चली आ रही पारंपरिक मौनपालन की समृद्ध विरासत को वैज्ञानिक तकनीक और उद्यमशीलता से जोड़कर आय का मुख्य जरिया बनाया है। पूर्व में सीमित घरेलू स्तर पर संचालित इस कार्य को उन्होंने आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप एक संगठित और व्यावसायिक उपक्रम में परिवर्तित किया है। पारंपरिक खेती में बढ़ती लागत और सीमित मुनाफे के बीच समृद्ध मौर्या ने अपने पिता के तीन दशक लंबे व्यावहारिक अनुभवों से प्रेरणा लेकर मौनपालन को मुख्य आजीविका के रूप में चुना। परंपरागत ज्ञान की सीमाओं को समझकर उन्होंने आधुनिक पद्धतियों, वैज्ञानिक प्रबंधन और उत्पादन क्षमता के विस्तार पर विशेष ध्यान केंद्रित किया।

इस अभिनव प्रयास को गति देने में प्रदेश सरकार के संबंधित विभाग का सहयोग अत्यंत निर्णायक साबित हुआ। एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत संचालित हनी मिशन योजना के तहत उन्हें 40 प्रतिशत का वित्तीय अनुदान उपलब्ध कराया गया, जिससे आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास में अभूतपूर्व सहायता मिली।

शासन द्वारा प्रदत्त इस वित्तीय सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन के माध्यम से उन्होंने उन्नत प्रजाति के मौनवंश (बी-कॉलोनी), आधुनिक बी-बॉक्स, स्वच्छता आधारित शहद निष्कर्षण यंत्र और संबंधित उपकरणों की व्यवस्थित व्यवस्था की। संसाधनों की इस वृद्धि ने मौनपालन को एक मजबूत व्यावसायिक आधारशिला प्रदान की। वैज्ञानिक तकनीकों के निरंतर अनुपालन का ही परिणाम है कि आज समृद्ध मौर्या की मौनपालन इकाई में प्रति बॉक्स से प्रतिवर्ष औसतन 40 से 50 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले शुद्ध शहद का उत्पादन प्राप्त हो रहा है। उत्पादन का यह स्तर न केवल व्यक्तिगत रूप से उत्साहजनक है, बल्कि जनपद के अन्य कृषकों के लिए भी एक प्रेरक मानक है।

भौगोलिक और कृषिगत दृष्टि से जनपद जौनपुर मौनपालन के लिए अत्यंत अनुकूल परिस्थितियां प्रस्तुत करता है। गोमती और सई नदी की उपजाऊ घाटी, विस्तृत ग्रामीण भूभाग तथा रबी एवं खरीफ मौसम में विविध फसलों का आच्छादन मधुमक्खियों के लिए प्राकृतिक पराग और मकरंद की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करता है।

जनपद के सिकारा और समीपवर्ती विकास खंडों में सरसों, तिलहन, दलहन और मौसमी बागवानी फसलों का व्यापक रकबा मौजूद है। वैज्ञानिक दृष्टि से मधुमक्खी पालन केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर-परागण (क्रॉस-पॉलिनेशन) के माध्यम से फसलों और बागवानी की उत्पादकता में 20 से 30 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि भी करता है। कच्चे शहद की थोक बिक्री के पारंपरिक ढर्रे से आगे बढ़कर समृद्ध मौर्या ने मूल्य संवर्धन की दिशा में ठोस कदम उठाया।

जरा हटके

इस परिवर्तन में ... — जयेन्द्र सिंह

मेट्रो विस्तार से बदली उत्तर प्रदेश के शहरों की रफ्तार

उत्तर प्रदेश के शहरों में जनसंख्या, रोजगार और निजी वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। ऐसे में सड़क चौड़ीकरण अकेले यातायात समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। वर्ष 2017 की शुरुआत में प्रदेश में कोई नियमित वाणिज्यिक मेट्रो सेवा संचालित नहीं थी। इसके बाद लखनऊ मेट्रो से शुरू हुई यात्रा नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा और मेरठ क्षेत्र तक पहुंची। उत्तर प्रदेश आज देश के उन अग्रणी राज्यों में है जहां अनेक शहर आधुनिक मेट्रो या नगरीय रेल सेवाओं से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शहरी परिवहन को विकास और जीवन गुणवत्ता दोनों से जोड़ा है।

मेट्रो की उपयोगिता समय की बचत में सबसे पहले दिखाई देती है। निर्धारित समय सारिणी, अलग कॉरिडोर और नियमित आवृत्ति के कारण दैनिक यात्री अपनी यात्रा का पहले से ही अनुमान लगा सकते हैं। कर्मचारी समय से कार्यालय पहुंचते हैं, विद्यार्थी शिक्षण संस्थान और परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र तक भरोसे के साथ जा सकते हैं। सड़क जाम की अनिश्चितता कम होने पर शहर की उत्पादकता बढ़ती है। सुरक्षित स्टेशन, निगरानी, प्रकाश और आरक्षित सुविधाएं महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांग यात्रियों के लिए सार्वजनिक परिवहन को अधिक उपयोगी बनाती हैं।

लखनऊ में मेट्रो ने राजधानी के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक और परिवहन क्षेत्रों को जोड़ा है। कानपुर जैसे औद्योगिक शहर में मेट्रो ने घनी आबादी वाले मार्गों पर नया विकल्प दिया। आगरा में यह सेवा स्थानीय नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का नेटवर्क औद्योगिक तथा आईटी केंद्रों तक पहुंच आसान करता है। गाजियाबाद और मेरठ क्षेत्र में आधुनिक नगरीय रेल तथा क्षेत्रीय तीव्र परिवहन ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से संपर्क को नया स्वरूप दिया है। अलग शहरों की जरूरतों के अनुसार परियोजनाओं का विकास इस विस्तार की विशेषता है।

मेट्रो परियोजना निर्माण के दौरान और संचालन शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में तकनीकी तथा सेवा रोजगार उत्पन्न करती है। सिविल इंजीनियरिंग, विद्युत, सिग्नल, सुरक्षा, टिकटिंग, सफाई, रखरखाव और स्टेशन प्रबंधन में प्रशिक्षित मानव संसाधन की जरूरत होती है। स्टेशन के आसपास व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ती हैं और संपत्ति विकास को नई दिशा मिलती है। यदि बस, ई रिक्शा, पैदल मार्ग और पार्किंग का समन्वय हो तो मेट्रो का प्रभाव उसके कॉरिडोर से कहीं आगे तक पहुंचता है। यही बहु माध्यम व्यवस्था भविष्य के उत्तर प्रदेश के लिए आवश्यक है।

सार्वजनिक परिवहन का पर्यावरणीय लाभ भी महत्वपूर्ण है। बड़ी संख्या में यात्रियों को एक साथ ले जाने वाली विद्युत चालित सेवा निजी वाहनों पर निर्भरता और ईंधन खपत कम कर सकती है। इससे वायु प्रदूषण, शोर और सड़क दुर्घटनाओं में कमी की संभावना बनती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने मेट्रो विस्तार को स्मार्ट सिटी, शहरी पुनर्विकास और बेहतर सार्वजनिक सुविधा से जोड़ा है। लक्ष्य केवल ट्रेन चलाना नहीं, बल्कि ऐसा शहर बनाना है जहां काम, शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार तक पहुंच आसान हो तथा विकास के साथ नागरिक का समय और स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहे।

शहरी परिवहन और मेट्रो सेवाएं के क्षेत्र में दिखाई देने वाला बदलाव एक दिन में नहीं आया। वर्ष 2017 की शुरुआत में नियमित वाणिज्यिक मेट्रो सेवा से वंचित उत्तर प्रदेश की स्थिति से लखनऊ से आगे नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा और मेरठ क्षेत्र तक फैला आधुनिक नगरीय रेल नेटवर्क तक पहुंचने के लिए नीति की निरंतरता और विभागों के बीच समन्वय जरूरी था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में समयबद्ध परियोजना क्रियान्वयन, केंद्र राज्य समन्वय, बहु माध्यम परिवहन और स्वच्छ सार्वजनिक यातायात को प्राथमिकता मिली। इस प्रदेश में एक ऐसी परिसंपत्तियां और व्यवस्थाएं तैयार करना था जिनका लाभ नागरिक को प्रत्यक्ष रूप से मिले। इस दृष्टि ने शासन को परियोजना की घोषणा से आगे बढ़ाकर समयबद्ध क्रियान्वयन, नियमित समीक्षा और परिणाम के आकलन पर केंद्रित किया गया। यही कारण है कि इस क्षेत्र की उपलब्धियां प्रदेश के व्यापक परिवर्तन से जुड़ी दिखाई देती हैं।

लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा और मेरठ क्षेत्र की आवश्यकताएं एक जैसी नहीं हैं। किसी क्षेत्र को तेज संपर्क चाहिए, किसी को उद्योग, किसी को स्वास्थ्य संस्थान और किसी को पर्यटन सुविधाएं। राज्य सरकार ने क्षेत्रीय अंतर को स्वीकार करते हुए योजनाओं को स्थानीय क्षमता से जोड़ने का प्रयास किया। शहरी परिवहन और मेट्रो सेवाएं में हुआ विस्तार इसी सोच को दर्शाता है। इससे राजधानी और बड़े महानगरों के बाहर भी निवेश तथा सार्वजनिक सेवाओं का आधार मजबूत हुआ। क्षेत्रीय संतुलन इसलिए भी जरूरी है क्योंकि स्थानीय अवसर मिलने पर अनावश्यक पलायन घटता है और परिवार अपने सामाजिक परिवेश में रहते हुए बेहतर आय अर्जित कर सकते हैं।

इस परिवर्तन में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही की साझा भूमिका रही। परियोजना कितनी भी महत्वाकांक्षी हो, उसका लाभ तभी मिलता है जब भूमि, अनुबंध, समय सीमा और सार्वजनिक धन का प्रबंधन प्रभावी हो। नियमित समीक्षा ने अड़चनों की पहचान और समाधान को गति दी गई। डिजिटल प्रणालियों ने आवेदन, भुगतान तथा निगरानी में पारदर्शिता बढ़ाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अधिकारियों को परिणाम आधारित कार्य संस्कृति का संदेश दिया। इससे शहरी परिवहन और मेट्रो सेवाएं से जुड़ी योजनाओं में शासन की विश्वसनीयता मजबूत हुई और निजी क्षेत्र तथा नागरिकों की भागीदारी के लिए अनुकूल वातावरण बना।

रोजगार के दृष्टिकोण से शहरी परिवहन और मेट्रो सेवाएं का प्रभाव कई स्तरों पर पड़ता है। प्रत्यक्ष रोजगार के साथ निर्माण, परिवहन, रखरखाव, आपूर्ति, भोजन, आवास और स्थानीय सेवाओं की मांग बढ़ती है। दैनिक यात्री, विद्यार्थी, महिलाएं, कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक, व्यापारी और पर्यटक को नए अवसर मिलते हैं। प्रशिक्षित युवाओं के लिए तकनीकी पद बनते हैं, जबकि छोटे उद्यमियों को सेवा और आपूर्ति का बाजार मिलता है।

कारें-बाइकें डूबीं, राशन खराब; घर छोड़कर किराए पर रह रहे लोग, जलभराव के कारण मां चंद्रिका देवी धाम मंदिर बंद है

लखनऊ बाढ़-40 हजार घर डूबे, सड़कों पर चल रहीं नाव

फैजुल्लागंज इलाके में लोगों के घरों में फव्वारे निकल रहे हैं। जितने नाले-नालियां और सीवर लाइन हैं, सब बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं। सीवर से फव्वारे निकलने लगे।

संकट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ 13 दिनों से बाढ़ की चपेट में है। 3 लाख से ज्यादा की आबादी प्रभावित है। सबसे भयावह स्थिति फैजुल्लागंज में है। यहां 40-50 हजार से ज्यादा घर आधे से अधिक गोमती नदी के पानी में डूबे हैं।

सड़कों पर नाव चल रही हैं। घरों के बाहर खड़ी कारें और बाइकें पानी में डूबी हैं। घरों में रखा राशन खराब हो गया है। लोग घर छोड़कर किराए पर रहने को मजबूर हैं। जलभराव के कारण मां चंद्रिका देवी धाम मंदिर बंद है। ऐसा पहली





बार हुआ है, जब नवरात्र के पहले दिन भक्त मां के दर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

हालांकि, गोमती का जलस्तर थोड़ा घटा है। गऊघाट पर शनिवार शाम 6 बजे जलस्तर 108.54 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जबकि शुक्रवार को यह 108.60 मीटर था। यानी जलस्तर में 0.06 मीटर (6 सेंटीमीटर) की कमी आई है।

फैजुल्लागंज में गलियों में एक घर से दूसरे घर जाने के लिए नाव चल रही हैं। वहीं, लोगों की कारें खड़ी-खड़ी उतराने लगीं। फैजुल्लागंज में सीने से ऊपर तक पानी है। श्यामलाल कॉलोनी के डूबने के बाद त्रिवेणीनगर चले गए थे। वह शनिवार को अपने पूर्वजों का श्राद्ध करने फैजुल्लागंज पहुंचे। पानी में घुसकर घर तक जाना पड़ा।



फैजुल्लागंज में सड़क पर नाव चल रही है। एक नाव पर रिपोर्टर लोगों के साथ बैठे। उनसे लोगों ने बताया कि प्रशासन की तरफ से मदद के रूप में केवल नाव मिली है। हमारे घर में सारा सामान खराब हो चुका है। अपना घर छोड़कर किराये के कमरा लिया है।

लोग ट्रैक्टर से जरूरतमंदों को खाना बांट रहे हैं

फैजुल्लागंज के मिल्लतनगर ढाल के रहने वाले नजरुदीन ट्रैक्टर से लोगों तक खाना और पानी पहुंचा रहे हैं। उनका कहना है जरूरतमंदों तक मदद नहीं पहुंच रहा तो हम लोग तीन दिन से ट्रैक्टर से घूम-घूमकर खाना बाट रहे हैं।

37 किलो गांजे के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

पेपर रोल के बीच छिपाकर ले जा रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। ओडिशा के बरगढ़ से पंजाब के लुधियाना तक गांजा पहुंचाने के नेटवर्क का खुलासा पीजीआई पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में हुआ है। किसान पथ के पास छह टायर वाले डीसीएम से 37 किलो गांजा बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, गांजे को पेपर रोल के बीच बोरियों में छिपाकर ले जाया जा रहा था।

गिरफ्तार चालक रघुनाथ महादेव इंगोले ने पूछताछ में बताया कि लुधियाना का संजीव उर्फ संजय उसे गांजा पहुंचाने के लिए देता था। इस काम के बदले उसे हर चक्कर के 50 हजार रुपए मिलते थे। आरोपी पहले भी दो से तीन बार गांजा पहुंचाने की बात कबूल कर चुका है। पुलिस के मुताबिक, जब्त किए गए



गांजे की कुल 6 लाख रुपए कीमत है। पुलिस के मुताबिक, 10 अक्टूबर को एसटीएफ को दूसरे राज्यों से गांजे की तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पीजीआई पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने किसान पथ अंडरपास के पास एचपी पेट्रोल पंप के सामने डीसीएम को रोककर तलाशी ली। इस दौरान 37 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रघुनाथ महादेव इंगोले (40), निवासी लुधियाना, पंजाब के रूप में हुई है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में बाढ़ पीड़ितों की मदद

लखनऊ । लखनऊ के फैजुल्लागंज और त्रिवेणीनगर में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल पिछले आठ दिनों से राहत कार्य चला रहा है। इसी क्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने पदाधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान करीब तीन घंटे तक नाव के जरिए बाढ़ प्रभावित नागरिकों और व्यापारियों तक भोजन, फल, पानी और अन्य राहत सामग्री पहुंचाई गई।

सीईसी के खिलाफ काले गुब्बारे उड़ाए

लखनऊ । लखनऊ में CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ NSUI कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। हजरतगंज में सड़क पर 'वोट चोर' लिखा। प्रदर्शनकारियों ने शर्ट पर लिखवाया था- अब तेरा क्या होगा ज्ञानू? इस्तीफा दो की नारेबाजी करते हुए काले गुब्बारे उड़ाए। हजरतगंज से विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को पुलिसने रोक लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। प्रदर्शन कर रहे NSUI प्रदेश सचिव शुभम खर्कवार ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र की हत्या की है। करोड़ों की वोट चोरी करवाकर अलग-अलग राज्यों में और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में मदद की।

800 पदों पर भर्ती का मौका

लखनऊ । लखनऊ के ITI अलीगंज में 16 अक्टूबर को मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 10 बजे से आयोजित होने वाले इस रोजगार मेले में कुल 800 पदों पर युवाओं का चयन किया जाएगा। रोजगार मेले में ऑटोमोबाइल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड और ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी बैक्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी।

लखनऊ- डीसीएम ने साइकिल से जा रहे छात्रों को रौंदा

एक का सिर कुचला, मौके पर ही मौत

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में रविवार को सड़क हादसे में 12 साल के छात्र की मौत हो गई। वह अपने दोस्त के साथ साइकिल से सामान खरीदने जा रहा था, तभी एक तेज रफ्तार डीसीएम ने पीछे से रौंदते हुए आगे निकल गया। छात्र के सिर पर पहिया चढ़ने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा दोस्त घायल हो गया है।

परिजन उसे लेकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। डॉक्टरों के मुताबकि, उसकी हालत नाजुक बनी है। घटना दोपहर दो बजे माल इलाके की है। आरोपी चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर डीसीएम को कब्जे में लिया है। दोनों 5वीं के छात्र थे।

छात्र कुंज शनिवार दोपहर अपने दोस्त प्रीत के साथ साइकिल से सामान खरीदने जा रहा था। यूको बैंक के पास पहुंचने पर पीछे से चोकर लादकर आ रही डीसीएम ने उसे रौंदते हुए आग निकल गई। डीसीएम का पहिया कुंज के सिर पर चढ़ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पीछे बैठा दोस्त घायल हो गया।

प्रीत की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन को छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बेटे की मौत से मात-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

जेपीएनआईसी में बिना रोक-टोक अंदर पहुंचे, जेपी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

सरकार के 40 दिन बचे हैं, जनता इन्हें हराने जा रही है : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में अखिलेश यादव ने शनिवार को जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (JPNIC) में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। 3 साल बाद सपा प्रमुख यहां माल्यार्पण कर पाए। उनके JPNIC जाने के ऐलान के बाद शनिवार रात JPNIC पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई थी।

शनिवार सुबह 11 बजे अखिलेश कार्यकर्ताओं के साथ JPNIC पहुंचे। इस दौरान वहां पुलिसकर्मियों की संख्या कम थी और बैरिकेडिंग भी हटी हुई थी। पुलिस ने अखिलेश को देखकर गेट खोल दिया। वह अंदर चले गए। पुलिस ने



कुछ कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे भी अंदर घुस गए। अखिलेश ने जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माला पहनाई और गुलाब के फूल चढ़ाए। इसके बाद उन्होंने कहा- सरकार के लोग सब बेचना चाहते हैं। कितने रुपयों में इसे बेचा गया होगा। 2027 में जनता इन्हें हराने जा रही है। परिवर्तन होना शुरू हो गया, अब 40 दिन बचे हैं।

सीएम के अयोध्या से लड़ने के ऑफर पर सपा प्रमुख ने कहा-पवन (पवन पांडेय) के हवा में सब बह जाएंगे। अहंकारी लोग बच नहीं पाएंगे। बीजेपी के लोगों से पूछना, क्या सीएम टिकट बांटते हैं? खुद लाइन में लगना पड़ता है। वह अपने लिए तो टिकट मांगते ही हैं?। अपने लोगों को मांगने के लिए भी लाइन में लगते हैं।

जिस सरकार के अंदर डर होता है, वह अन्याय करती है

जिस सरकार के अंदर डर होता है, वह अन्याय करती है। कौन नहीं जानता कि बीजेपी के लोग अन्याय करते हैं। चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाना है, मगर ये चुनाव में वोट न डलवाने का काम करवा रहे हैं। कौन नहीं जानता कि इलेक्शन कमीशन ने वोट चोरी करवाई है।



अमेरिका ने लाल सागर में अपना वॉरिशप आईजनहॉवर तैनात किया है।

जेपीजी के आंदोलन ने सरकार को हिला दिया था

अखिलेश यादव ने कहा- जयप्रकाश जी दबे-कुचले लोगों के लिए हमेशा खड़े रहे। जितनी पीड़ा होगी, उतनी जल्दी बदलाव होगा। ये बदलाव ही है, जो हम यहां तक आए। जेपीजी संपूर्ण क्रांति के जनक थे। उनके आंदोलन ने उस समय की सरकार को हिला दिया था। पहली बार जनता पार्टी की सरकार बनी। जेपीजी ने देश में चरम सीमा पर पहुंची महंगाई और प्रशासन की तानाशाही के खिलाफ नेतृत्व दिया, जिससे परिवर्तन हुआ। उन्होंने समाजवादी मूल्यों को लेकर आर्थिक समानता और सबको जोड़ने वाली संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। आज हम उनके विचारों पर चल रहे हैं। जेपीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ गांधीजी के साथ लड़ाई लड़ी।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर अखिलेश यादव ने किया नमन, 12 अक्टूबर को प्रदेशभर में प्रदर्शन करेगी समाजवादी व्यापार सभा

यूपीआई पर एमडीआर चार्ज के विरोध में व्यापारियों के साथ खड़ी रहेगी सपा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश मुख्यालय स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को याद करते हुए कहा कि उनके राज में किसी बाहरी व्यक्ति को बसने के लिए एक ईंट और एक सिक्का देने की परंपरा असल समाजवाद का उदाहरण है। इस अवसर पर समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल और प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अखिलेश यादव से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने 15 अक्टूबर 2026 से यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) चार्ज लगाए जाने के संबंध में जानकारी दी। व्यापारियों ने आशंका जताई कि इस व्यवस्था से फुटकर दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी, गुमटी और खोमचे वालों सहित अन्य व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। साथ ही ग्राहकों के साथ भुगतान को लेकर विवाद की स्थिति भी बन सकती है। समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने बताया कि 12 अक्टूबर, सोमवार को प्रदेश के सभी जिलों में जिला एवं महानगर संगठन के नेतृत्व में यूपीआई भुगतान पर एमडीआर चार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व





अखिलेश यादव ने यूपीआई भुगतान पर एमडीआर चार्ज लगाने का विरोध करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी दुकानदारों और व्यापारियों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए पार्टी के समर्थन का भरोसा दिया।

एमएलसी संजय लाठर, पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय, राष्ट्रीय सचिव अविलेश सिंह, उत्तर विधानसभा प्रत्याशी पूजा शुक्ला, प्रदेश सचिव डॉ. अजय चौरसिया, अरविंद केसरवानी, समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय जायसवाल, अपर्णा जैन, अक्षय जैन अरिहंत, डॉ. सुधीर अवस्थी, रवि जायसवाल, रामज्ञान गुप्ता, अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव एडवोकेट सुमित जायसवाल, श्याम कृष्ण गुप्ता, मनीष सिंह, सूचना प्रभारी एडवोकेट अभिषेक गुप्ता, लखनऊ जिलाध्यक्ष संजय यादव, एडवोकेट अमित यादव बगही और आनंद अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आशियाना में बृज की रसोई का महाप्रसाद वितरण

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में प्रथम नवरात्र के अवसर पर इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी की ओर से संचालित सेवा प्रकल्प बृज की रसोई ने आशियाना में महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें करीब दो हजार जरूरतमंदों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में चना-आलू, चावल, बूंदी और केले का वितरण किया गया। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने कहा कि भूखे को भोजन कराना मानवता की सहज और सार्थक सेवा है। बिना भेदभाव जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना समानता, बंधुत्व और मानवीय गरिमा के मूल्यों को मजबूत करने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि बृज की रसोई का उद्देश्य सेवा को निरंतर सामाजिक दायित्व बनाना है। इसी क्रम में संस्था प्रत्येक रविवार को सेवा दिवस के रूप में जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन



नवरात्र पर जरूरतमंदों को चना-आलू, चावल, बूंदी और केले बांटे गए

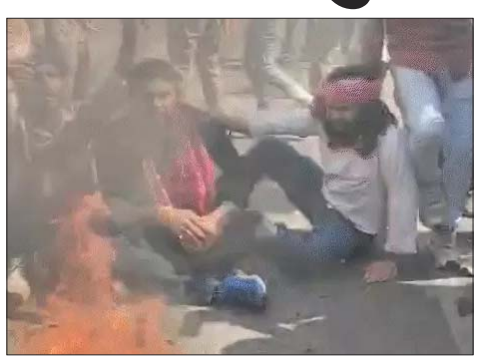
उपलब्ध कराती है। बलवंत सिंह ने कहा कि नवरात्र का आयोजन आस्था, सेवा और सामाजिक समरसता का संगम बना। वहीं, जालिम सिंह ने कहा कि यह आयोजन जरूरतमंदों के सम्मान और आत्मीयता को समर्पित रहा। सेवा के दौरान बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिकों और अन्य जरूरतमंदों ने भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम के संचालन में जालिम सिंह, सत्यम वर्मा और अनुराग दुबे सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सहयोग किया।

मांग : बोले- लोकतंत्र की हत्या की है; प्रदर्शनकरियों को टांग कर ले गई पुलिस

सपाइयों ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रविवार को समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। हजरतगंज चौराहे पर ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंककर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं के हाथ में 'लोकतंत्र की हत्या बंद करो' के पोस्टर थे। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को पुतला फुंकने से रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में धक्का मुक्की हुई। पुलिस के ऊपर प्रदर्शनकारियों ने अभद्रता का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी करके लोकतंत्र की हत्या की है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंभ बचाने के लिए सड़क से



सपा कार्यकर्ताओं ने बीच सड़क पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाया।

सदन तक हम संघर्ष करेंगे। पुलिस प्रदर्शनकारियों को वैन में भरकर इको गॉर्डन ले गई। प्रदर्शन कर रही रिंकी सिंह ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र की हत्या की है। जब तक उनका इस्तीफा नहीं हो जाएगा हम लोग सड़क पर रहेंगे। 35 करोड़ से ज्यादा वोट चोरी करके अलग-अलग राज्यों में और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में मदद की है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके इशारे पर पूरा चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है। हम लोग लोकतंत्र को बचाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे।

प्रदर्शन कर रहे अभिषेक ने कहा कि हमारे नेता अखिलेश यादव लंबे समय से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। हमने कई बार वोट चोरी का साक्ष्य भी दिया फिर भी चुनाव आयोग ने इसका संज्ञान नहीं लिया।



अब जिस तरह से एक अंग्रेजी अखबार ने इस पूरे चुनाव आयोग के चेहरे को बेनकाब किया है, इससे स्पष्ट हो गया कि चुनाव आयोग के मिलीभगत से ही भाजपा सरकार में आ रही है। अगर चुनाव आयोग ना होता तो कभी भी भारतीय जनता पार्टी सत्ता में ना आती।

'वोट चोरी से बनी सरकार'

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि चुनाव आयोग मर चुका है। भाजपा का पिट्ठू बनकर लगातार बेइमानी करवा रहा है। इन लोगों ने पहले बिहार और पश्चिम बंगाल लूटा। अब उत्तर प्रदेश को लूटने की तैयारी कर रहे हैं। ज्ञानेश कुमार को हटाए बिना यूपी में चुनाव नहीं होगा। इन्होंने लोकतंत्र को बेहद कमजोर करने का काम किया है।

राजधानी में गोमती पुल से युवक-युवती ने लगाई छलांग

दो थानों की पुलिस तलाश में जुटी, एसडीआरएफ मौके पर पहुंची

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के मड़ियांव के चैला स्थित गोमती पुल से रविवार शाम एक युवक और युवती ने नदी में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पहले युवक ने पुल से छलांग लगाई। इसके बाद युवती ने अपनी चप्पल उतारी और नदी में कूद गई। घटना के बाद पुल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से दोनों की तलाश शुरू कराई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक के नदी में कूदने के बाद युवती ने भी पुल से छलांग लगा दी। घटना की जानकारी मिलते ही मड़ियांव और ठाकुरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। गोताखोर नाव की मदद से नदी में दोनों की तलाश कर रहे हैं। देर शाम



तक युवक और युवती का पता नहीं चल सका था। गोमती में छलांग लगाने वाले युवक और युवती की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने के साथ ही दोनों की पहचान करने में जुटी है। मामले में मड़ियांव इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा का कहना है लड़के का जूता पुल पर मिला है। झगड़े के बाद कूदने की आशंका है, हालांकि अभी पहचान नहीं हो पाई है।

एसडीआरएफ भी मौके पर पहुंच गई है। वहीं ठाकुरगंज पुलिस का कहना है युवती के पुल से छलांग लगाने की जानकारी मिली है। मौके पर चप्पल मिली है, पहचान में टीम लगी है।

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। नदी की धारा में तेज बहाव होने की वजह से तलाश में समस्याएं भी आ रही है। मौके पर मौजूद एसडीआरएफ तलाश में लगी है लेकिन तेज बहाव के चलते युवक युवती के आगे निकल जाने की संभावना है। अभी दोनों की कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। कुछ देर सर्च अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद अधिक अंधेरा हो जाने पर तलाश रोक दी जाएगी। अगले दिन फिर अभियान शुरू होगा।

झांसी का काली बाबा हिस्ट्रीशीटर निकला, गिरफ्तार

जांच

आर्मी जैसी ड्रेस पहनता, दिव्य दरबार लगाता था, विदेशों से आते थे भक्त

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में काली सरकार बाबा उर्फ प्रदीप शुक्ला हिस्ट्रीशीटर निकला है। रविवार दोपहर पुलिस ने छापेमारी करके उसे गिरफ्तार कर लिया। वह वेश बदलकर मंदिर में रह रहा था। वह आर्मी जैसी ड्रेस पहनता था और दिव्य दरबार लगाता था। हर बीमारी ठीक करने का दावा करता था।

उसके दिव्य दरबार में देश ही नहीं, विदेशों से भी लोग आते थे। इंस्टाग्राम पर उसके एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। काली सरकार हरदोई के चौहान थोक का रहने वाला है। 3 साल पहले मारपीट के मामले में पेश न होने पर हरदोई कोर्ट ने उसके खिलाफ वारंट जारी किया था। तब से वह फरार था।

मऊरानीपुर सीओ रत्नेश्वर सिंह ने बताया- प्रदीप शुक्ला उर्फ नटरोज पुत्र मायाराम शुक्ला हरदोई के कोतवाली थाना क्षेत्र के चौहान थोक का रहने वाला है। वह कोतवाली थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। 1993 में पुलिस ने उसे लूट के एक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद वर्ष 1998 में उसके खिलाफ मारपीट का एक और मामला दर्ज हुआ।

दोनों मामलों में आरोपी कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था। इस पर लूट के मामले में कोर्ट संख्या-2 के न्यायिक मजिस्ट्रेट और मारपीट के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किए थे। हरदोई पुलिस करीब 12 साल से उसकी तलाश कर रही थी। हरदोई से भागने के बाद प्रदीप शुक्ला झांसी पहुंचा। यहां मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के कुरैंचा गांव स्थित काली सरकार मंदिर में रहने लगा। उसने अपना नाम बदलकर सत्यानंद शुक्ला उर्फ काली सरकार रख लिया और बाबा के रूप में पहचान बना ली। इसके बाद उसने दिव्य दरबार लगाना शुरू कर दिया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचने लगे।



झांसी में रविवार को हरदोई और मऊरानीपुर पुलिस ने लूट के आरोपी प्रदीप शुक्ला उर्फ काली सरकार को गिरफ्तार किया है। वह बाबा का भेष बनाकर मंदिर में छुपा था।

हरदोई में कोतवाली थाने का हिस्ट्रीशीटर है

झांसी में रविवार को हरदोई और मऊरानीपुर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर प्रदीप शुक्ला उर्फ नटरोज को गिरफ्तार किया। वह लूट और मारपीट के मामलों में वांछित था। हरदोई से भागने के बाद वह झांसी के मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के कुरैंचा गांव स्थित काली सरकार मंदिर में रहने लगा था। यहां उसने अपना नाम बदलकर सत्यानंद शुक्ला उर्फ काली सरकार रख लिया और बाबा बनकर दिव्य दरबार लगाने लगा। उसके दरबार में सैकड़ों लोग पहुंचते थे। वह लोगों की बीमारियां ठीक करने और दूसरी समस्याओं का समाधान करने का दावा करता था।

> नवरात्र के कारण काली सरकार ने सोशल मीडिया पर सूचना जारी कर नौ दिन तक दरबार बंद रखने की जानकारी दी थी। हालांकि, नवरात्र के पहले दिन ही रविवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।



बाबा से चाहनेवाले उनके साथ सेल्फी लेते हैं, इस दौरान बाबा सिगरेट पीते दिखाई दे रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स

आरोपी ने करीब एक साल पहले इंस्टाग्राम पर 'काली सरकार' के नाम से पेज बनाया था। इस पर उसके एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वह शुक्रवार, शनिवार और रविवार को दिव्य दरबार लगाता था। स्थानीय लोगों के लिए बुधवार को भी दरबार आयोजित करता था। इन दरबारों में वह हर बीमारी ठीक करने और दूसरी समस्याओं का समाधान करने का दावा करता था।

'आज कॉकरोच, कल सुअर या मक्खी पार्टी बनेगी'

तमसा संकेत, एजेंसी



> कानपुर में राज्यसभा सांसद बोले- सपा इतनी बदनाम कि अखिलेश नाम लेने से बच रहे

कानपुर । राज्यसभा सांसद बनने के बाद पहली बार कानपुर पहुंचे प्रकाश पाल ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और INDI गठबंधन पर जमकर हमला बोला। रविवार को नवीन मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) को लेकर भी टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी कोई राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि लोकतंत्र का मजाक बनाया जा रहा है। वहीं, सपा के PDA पर तंज कसते हुए उन्होंने इसका मतलब 'पैसा देने वाले आओ' बताया। प्रकाश पाल ने आरोप लगाया कि INDI गठबंधन के दल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के जरिए चुनाव जीतने में असमर्थ हैं, इसलिए सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता विपक्ष की राजनीति को समझ रही है। प्रकाश पाल ने CJP को लेकर कहा कि अगर कोई कॉकरोच के नाम पर पार्टी बना सकता है, तो कल कोई सुअर या मक्खी के नाम पर भी पार्टी बना देगा। उन्होंने इसे लोकतंत्र का मजाक बताया। आरोप लगाया कि विपक्षी दलों के पीछे अंतरराष्ट्रीय ताकतें काम कर रही हैं और उनका उद्देश्य भारत को अस्थिर करना है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष EVM और वोट चोरी की बात करता है, लेकिन उसे यह भी बताना चाहिए कि दिल्ली विश्वविद्यालय के चुनाव किस माध्यम से हुए थे।

फास्ट न्यूज

जनकपुरी महोत्सव में 'रघुवंशी रघुनंदन' नाटक का मंचन

आगरा । हवा में उड़ते राक्षस, आग की लपटें और युद्ध के रोमांचक दृश्य... भावना एस्टेट में शनिवार को जनकपुरी महोत्सव के मंच पर रामायण का भव्य चित्रण देखने को मिला। आधुनिक तकनीक, रंग-बिरंगी रोशनी, ध्वनि और कलाकारों के अभिनय ने रामकथा के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। करीब डेढ़ घंटे तक दर्शक मंच पर नजरें टिकाए बैठे रहे।

पुलिसकर्मी ने मारी थी शिक्षक नेता के भतीजे को गोली

आगरा । आगरा के सदर के सेवला जाट में शुक्रवार देर रात शिक्षक नेता के भतीजे (ढाबा कर्मचारी) बीटू लवानिया (33) की हत्या का आरोपी पुलिस का सिपाही है। वो प्रयागराज में जज की सुरक्षा में तैनात था। छुट्टी पर घर आया था। मृतक की पत्नी ने मुख्यमंत्री से आरोपी के एनकाउंटर और सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम बना दी है। बीटू लवानिया की पत्नी ने अपने पति की हत्या के आरोपी पुलिसकर्मी के एनकाउंटर की मांग की है।

आगरा में रास्ते का विवाद, पार्षद का विधायक पर आरोप

आगरा । आगरा नगर निगम के वार्ड संख्या 5 के तहत आने वाले सैयद उखरां मार्ग और सैनिक विहार क्षेत्र में रास्ते का विवाद गर्मा गया है। इस वार्ड के लोग दो गुटों में बंट गए हैं। एक गुट रास्ते की मांग पर अड़ा है तो दूसरा गुट यहां दस्तावेजों में रास्ता न होने का हवाला देकर पार्क विकसित करने के लिए जोर लगा रहा है।

श्रद्धालुओं की बोलेरो नदी में गिरी, दो की मौत

4 घायल, कानपुर से दर्शन करने मैहर आ रहे थे



तमसा संकेत, एजेंसी

सतना/कानपुर । सतना जिले के चित्रकूट में श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो नदी में जा गिरी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 4 घायल हैं। सभी उत्तर प्रदेश में कानपुर के रहने वाले हैं। शारदा माता के दर्शन करने मैहर आ रहे थे।

एक्सीडेंट रविवार तड़के करीब 3 बजे हुआ। मौके से गुजर रहे पैदल तीर्थयात्री गाड़ी गिरी देख नदी में उतरे। सभी को पानी से बाहर निकाला। फिर पुलिस को फोन किया। मृतकों की पहचान कानपुर निवासी सुनील गुप्ता (50) और हिमांशु सिंह सेंगर (30) के रूप में हुई है। घायलों को चित्रकूट के जानकीकुंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कार सवार 2 बदमाशों ने दुकान पर बरसाईं गोलियां, 10 साल बड़ी महिला से लव मैरिज की थी

रामपुर में कारोबारी की 4 गोली मारकर हत्या





तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। रामपुर में 30 साल के कारोबारी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के समय वह अपनी दुकान पर बैठा था। शाम करीब 5 बजे कार सवार 2 लोग पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। कारोबारी को 4 गोलियां लगीं। गोली उनके सीने और पीठ पर लगी। घटना देख आसपास के लोगों ने पुलिस और कारोबारी के घरवालों को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और बदमाशों का पीछा किया, लेकिन पकड़ नहीं पाई। पुलिसवाले कारोबारी को गंभीर हालत में अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर मिलक खानम थाना क्षेत्र की है। टाह कला गांव के रहने वाले नवजोत सिंह की कुमारिया कला में वॉशिंग हब की दुकान है। वह अपने पिता का इकलौता बेटा था। उसकी एक बहन कनाडा में नौकरी करती है, जबकि पिता खेती करते हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि करीब एक साल पहले नवजोत ने 40 साल की एक महिला से लव मैरिज की थी। महिला के पति की करीब 3 साल पहले मौत हो गई है। महिला के 2 बेटे हैं। दोनों न्यूजीलैंड में नौकरी करते हैं। नवजोत रोजाना सुबह करीब 10 बजे अपनी वॉशिंग हब की दुकान पर पहुंचते थे और शाम करीब 6 बजे तक दुकान बंद कर देते थे। शनिवार शाम 5 बजे भी वह सामान समेट रहे थे। उस समय दुकान पर वह अकेले ही थे।



बदमाशों ने चार गोलियां मारीं

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सिल्वर कलर की ऑल्टो कार आई। दुकान के सामने खड़ी हुई। उसमें से दो बदमाश मुंह पर कपड़ा बांध के उतरे। एक बदमाश ने पहले नवजोत पर फायरिंग की। गोली लगते ही वह नीचे औंधे मुंह गिर पड़े। इसके बाद बदमाशों ने एक के बाद एक चार गोलियां मारीं। आसपास के लोग जबतक कुछ समझ पाते बदमाश वारदात को अंजाम देने के बाद बिलासपुर की तरफ फरार हो गए। वारदात के बाद आसपास के लोगों ने घटना सूचना पुलिस और परिजनों को दी।

> एएसपी अनुराग सिंह के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फोरेंसिक और डॉग स्क्वाड की टीमें मौके पर पहुंचीं। टीमों ने घटनास्थल से सबूत जुटाए और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

> परिजनों की तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच के लिए पुलिस की चार टीमें लगाई गई हैं। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

सुल्तानपुर में भीड़ ने गाड़ी चला रहे दरोगा को घेरा, पुलिस थाने लेकर गई

दरोगा की कार ने बाइक सवार को रौंदा, हुई मौत

दुर्घटना

> भीड़ ने कार को पक-ड़कर दरोगा को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

सुल्तानपुर । सुल्तानपुर में शनिवार रात करीब 9 बजे दरोगा की कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। कार को दरोगा चला रहे थे। हादसे के बाद भीड़ ने कार को घेर लिया। दरोगा को बाहर निकाला। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कार को कब्जे में लिया है। मामले की जांच की जा रही है। हादसा कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के परऊपुर में हुआ। हादसे के बाद गांववाले युवक को राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, अधिक खून बहने के कारण उसकी मौत हुई। कोतवाली देहात एसओ धर्मवीर सिंह ने बताया- पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना में शामिल कार एक दरोगा की बताई जा रही है। मामले की जांच की रही है।





दरोगा की कार से हादसे के बाद मौके पर भीड़ लग गई।

घर लौटते समय हुआ हादसा

मलिकपुर में रहने वाले श्यामानंद गौतम (25) बाइक से शहर से घर लौट रहे थे। शनिवार रात 9 बजे दोमुंहा-पखरौली मार्ग पर परऊपुर के पास दरोगा अभिषेक सिंह की कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से श्यामानंद सड़क पर गिर गया। उसके सिर में गंभीर चोट आ गई। श्यामानंद ने हेलमेट नहीं पहना था।

शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर में एएनटीएफ ने पकड़ी थी 25 हजार सीरप की शीशियां

कोडीन कांड की जांच करेगी क्राइम ब्रांच ट्रांसपोर्टरों की हो रही चेकिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के टांसपोर्ट नगर में राजधानी इंटरस्टेट ट्रांसपोर्ट के गोदाम से 25 हजार कोडीन युक्त कफ सीरप की शीशियां पकड़े जाने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। आरोपी मिहिर कुमार ठाकुर के कबूलनामे के बाद एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की कानपुर और लखनऊ की एक संयुक्त टीम ने यहां डेरा डाल दिया है। इस दौरान गुपचुप तरीके से ट्रांसपोर्टरों की कुंडली खंगाली जा रही है। इसके साथ ही अब इस पूरे मामले की जांच क्राइम ब्रांच करेगी। इंटेलीजेंस की भी मदद ली जा रही है। उधर एक टीम दूसरे प्रदेश के लिए भी रवाना कर दी गई है। जल्द ही वहां से बड़ी बरामदगी की उम्मीद है। नार्कोटिक्स टास्क फोर्स ने गुरुवार देर रात ट्रांसपोर्ट नगर के ढकनापुरवा स्थित एक मकान में बने गोदाम में छापा मारकर प्रतिबंधित कोडीन युक्त सीरप के 250 कार्टून बरामद किए थे। जिसमें टर्बो-टी नाम की कफ सीरप रखी हुई थी, जिसमें कोडीन मिली हुई पाई गई थी। मौके से मूलरूप से बिहार के मधुबनी जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के मगरपट्टी निवासी मिहिर कुमार ठाकुर को पकड़ा गया था। शुक्रवार सुबह एएनटीएफ की लखनऊ यूनिट की सीओ नित्या गोस्वामी के नेतृत्व में टीम ने शहर आकर आरोपी से पूछताछ की थी, जिसमें उसने बताया था कि ट्रांसपोर्ट नगर में चार साल से राजधानी इंटरस्टेट ट्रांसपोर्ट के गोदाम में कोडीन का भंडारण कर अलग-अलग स्थानों में ले जाया जा रहा है। साथ ही उसने टांसपोर्ट नगर के कुछ ट्रांसपोर्टरों के नाम भी बताए, जिनके इस धंधे में लिप्त होने की आशंका है। इसके बाद लखनऊ और कानपुर की एक संयुक्त टीम बनाई गई, जो ट्रांसपोर्टरों की कुंडली खंगाल रही है। एएनटीएफ की टीम ने माल बरामदगी और आरोपी को हिरासत में लेकर बाबूपुरवा थाने में तहरीर दी थी। विभाग के दरोगा अमन सिंह की तहरीर पर मिहिर, आशुतोष तिवारी, सुमित यादव और पंकज धीर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, हालांकि पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने बताया कि प्रकरण की विवेचना स्थानीय थाने पर नहीं बल्कि क्राइम ब्रांच करेगी।



पृष्ठ 01 का शेष...

नारी सम्मान, सुरक्षा...

ग्रामीण आबादी की जमीन के अभिलेखों में भी महिलाओं को मालिकाना अधिकार उपलब्ध कराने की दिशा में काम हुआ है। उन्होंने नारी वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण का उद्देश्य केवल योजनाओं का लाभ देना नहीं, बल्कि महिलाओं को निर्णय लेने, आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर देना है।

मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा परिषद और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण बड़ी संख्या में बच्चे, विशेषकर बालिकाएं, पढ़ाई बीच में छोड़ देती थीं। उन्होंने बताया कि जब इस स्थिति के कारणों की पड़ताल कराई गई तो विद्यालयों में अलग शौचालय, शुद्ध पेयजल और दूसरी जरूरी सुविधाओं की कमी सामने आई। कई बेटियां नंगे पैर स्कूल जाती थीं और सर्दियों में उनके पास स्वेटर तक नहीं होते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बच्चों को पढ़ाई के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। वर्तमान में लगभग 1.60 करोड़ विद्यार्थियों को दो यूनिफॉर्म, स्कूल बैग, पाठ्यपुस्तकें, स्वेटर और जूते-मोजे सहित विभिन्न सुविधाएं दी जा रही हैं।

माता जानकी से...

रानी लक्ष्मीबाई, झलकारी बाई, ऊदा देवी पासी और अवंतीबाई लोधी जैसी वीरांगनाओं ने साहस और संघर्ष से देश का गौरव बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय नारी ने हर कालखंड में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य साबित किया है। आज भी बेटियां शिक्षा, खेल, विज्ञान, प्रशासन और अन्य क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। उन्हें आगे बढ़ने के लिए परिवार और समाज का सहयोग मिलना चाहिए।

चुनावी मोड में बसपा...

वहीं पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल 27 अक्तूबर तक जिलों में कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। रविवार को उन्होंने बाराबंकी में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। वह सुल्तानपुर, अमेठी, अयोध्या, रायबरेली, लखनऊ, अंबेडकर-नगर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और उन्नाव के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में भी जाएंगे। लखनऊ में 17 अक्तूबर को बख्शी का तालाब और 26 अक्तूबर को मलिहाबाद में कार्यक्रम होगा। वहीं अन्य मंडलों में वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेंगे।

सभी सुप्रीम कोर्ट...

इधर, राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी किया। वे हाथ में संविधान की कॉपी लेकर बोले- "सभी दल हमारे साथ आएं और सोमवार को सुप्रीम कोर्ट चलें। ये मोदी,शाह, डोभाल, मोहन भागवत हमारी आवाज नहीं दबा सकते। उनको हटना पड़ेगा।"

दिल्ली में प्रदर्शनकारियों को ले जाने वाली बस पर चढ़ीं SFI की आईसी घोष। बस के सामने बैठ प्रोटेस्ट करने लगी। असल में SFI ने दिल्ली पुलिस के ऊपर महिला प्रदर्शनकारियों पर से बदसलूकी का आरोप लगाया था।

इसी बात को लेकर SFI ने विरोध करते हुए राजीव चौक मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 7 के सामने कई महिला प्रदर्शनका-रियों ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर बस के आगे जमीन पर बैठ गईं।

करीब 10 मिनट की जद्दोजहद के बाद दिल्ली पुलिस और अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने सभी हटाकर बस में डिटेन करके हटा दिया।

अभिजीत दीपके ने कहा- हमने ऐसा कोई बॉन्ड साइन नहीं किया है कि हम प्रदर्शन नहीं करेंगे। हम फिर से सड़कों पर उतरेंगे।

मुंबई के दादर स्थित शिवाजी पार्क में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया। वे कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के समर्थन में प्रदर्शन करने पहुंचे थे। शनिवार को भी पुलिस ने मुंबई के अलग-अलग इलाकों से करीब 600 लोगों को बिना अनुमति प्रदर्शन करने के आरोप में हिरासत में लिया था।

सौरव दास ने कहा- हमसे कहा गया कि एक साल तक शांति भंग नहीं होनी चाहिए, लेकिन शांति भंग करने का काम पीएम मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार ने किया है।

दास ने कहा- हम पीछे नहीं हटेंगे। हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे सड़कों पर उतरें। हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। हमें जहां रोका जाएगा, हम वहीं प्रदर्शन करेंगे।

आशुतोष रांका ने कहा- हम चार पूर्व मुख्यमंत्रियों अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी, माणिक सरकार और पिनराई विजयन के आभारी हैं, जो कल सड़कों पर उतरे। हमें उम्मीद है कि सभी संगठन और राजनीतिक दल भविष्य में भी एकजुट होकर यह लड़ाई जारी रखेंगे।

रांका ने कहा- आज भी CJP के कई साथियों को हिरासत में लिया गया और उनके साथ मारपीट की गई। पिछले कुछ दिनों में AISF के कई सदस्यों को भी हिरासत में लिया गया और उनके साथ मारपीट हुई।

CJP की लीगल हेड रत्ना सिंह ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूछा कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश किसने दिए थे। उन्होंने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि ऐसे आदेश क्यों जारी किए गए। सिंह ने आरोप लगाया कि पुलिस ने भाजपा के लोगों को नहीं रोका, जबकि प्रदर्शन के दौरान युवाओं के साथ गलत व्यवहार किया गया। रत्ना सिंह ने कहा कि घर लौटने के बाद भी सरकारी अधिकारी उनके घर के नीचे खड़े रहे।

मेट्रो में साथ बैठे...

मुझे पूरा भरोसा है।इसके बाद उन्होंने बच्चों से वी विल डू इट का नारा लगवाया। पीएम मोदी बोले- आज आपके बीच आकर, आपके सपनों को महसूस करके मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है। मैं कह सकता हूं भारत का भविष्य बहुत शानदार होगा। और उस भविष्य के सबसे बड़े हीरो आप हैं। मुझे आपके टैलेंट, कॉन्फिडेंस, योग्यता पर भरोसा है। इसलिए आज मैं आप सभी के साथ कुछ बड़े संकल्प दोहराना चाहता हूं। अब जो मैं कहूंगा उसके बाद आपको बोलना है, वी विल डू इट डेवलप तमिलनाडु, डेवलप इंडियावी विल डू इट...।

मोदी ने कहा- मुझे...

भारत 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। हम 2036 ओलिंपिक की मेजबानी का सपना लेकर बढ़ रहे हैं। इसलिए भारत के युवाओं के पास अब प्लेटफॉर्म भी है, पोटेंशियल भी है और सपोर्ट भी है। मुझे विश्वास है आपकी जनरेशन भारत को स्पोर्ट्स की दुनिया में भी बहुत ऊंचाई पर लेकर जाएगी।

शांतिपूर्ण...

इस पर कोर्ट ने दिल्ली के अधिकारियों को नोटिस जारी कर मंगलवार तक जवाब मांगा।

इससे पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने CJP लीडर अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को रविवार सुबह करीब 10 बजे रिहा करने का आदेश दिया। तीनों 23 घंटे पुलिस कस्टडी में रहे।

दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट ने 10 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और SIR के विरोध में प्रदर्शन बुलाया था। दिल्ली पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी थी। इस दौरान पुलिस ने शहर में बैरिकेडिंग की थी। 45 मेट्रो स्टेशन बंद थे और 7 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था।

सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर 2 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने इस पर सुनवाई की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार और दिल्ली पुलिस का पक्ष रखा।

वहीं, एडवोकेट कपिल सिब्बल, गोपाल शंकरनारायणन, मेनका गुरुस्वामी, संजय हेगड़े, शोएब आलम और शादान फरासत ने याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखा।

केएल राहुल 4 रन बना सके, अरुणाचल का मैच रद्द, वहीं, अरुणाचल प्रदेश का मैच रद्द हो गया

रणजी ट्रॉफी- यशस्वी 13 गेंद खेलकर शून्य पर आउट

मुकाबला



नई दिल्ली, एजेंसी

रणजी ट्रॉफी 2026-27 के पहले दिन रविवार को भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। मुंबई की ओर से खेल रहे यशस्वी चंडीगढ़ के खिलाफ 13 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले आउट हो गए, जबकि कर्नाटक के लिए खेल रहे राहुल आंध्र प्रदेश के खिलाफ 4 रन ही बना सके। वहीं, अरुणाचल प्रदेश का मैच रद्द हो गया। मुलापाडू में आंध्र प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में कर्नाटक के सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। वे महज 4 रन बनाकर आउट हो गए। पिछले सीजन की उपविजेता कर्नाटक की शुरुआत खराब रही। आंध्र प्रदेश के तेज गेंदबाज कावुरी साईतेजा और केवी शशिकांत ने शुरुआती ओवरों में विकेट लेकर कर्नाटक को दबाव में डाल दिया। राहुल ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। मुल्लांपुर में खेले गए मैच में उन्होंने 82 गेंदों पर शतक लगाया था। यह वनडे क्रिकेट में उनका 9वां शतक था। इससे पहले भुवनेश्वर में शुरू हुई विनू मांकड़ अंडर-19 ट्रॉफी में भी अरुणाचल प्रदेश की टीम ने हिस्सा नहीं लिया था। BCCI ने नागालैंड की टीम को पहले ही बता दिया था कि कोर्ट का फैसला आने तक अरुणाचल की टीम मैदान पर नहीं उतर पाएगी। राष्ट्रीय चयन समिति ने उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को घरेलू सीजन में कम से कम एक रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के लिए कहा है। इसके तहत रवींद्र जडेजा सौराष्ट्र, केएल राहुल कर्नाटक, गुरनूर बराड़ पंजाब और आकाश दीप बंगाल की टीम से खेल रहे हैं। न्यूजीलैंड दौरे पर गिल के शुरुआती तीन वनडे मैच खेलने की उम्मीद है। इसके बाद वे टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। छत्तीसगढ़ के खिलाफ रणजी मैच में खेलने से उन्हें आगामी अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले अपनी लय हासिल करने का मौका मिल सकता है।

> गिल के 18 अक्टूबर से छत्तीसगढ़ के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे मैच में खेलने की संभावना है। वह इंडिया-ए टीम का हिस्सा नहीं हैं।

जायसवाल 13 गेंद खेलकर शून्य पर आउट

जायसवाल को हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया था। हालांकि, उन्हें किसी भी मैच की प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली। इससे पहले श्रीलंका दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में उन्होंने 3 पारियों में कुल 77 रन बनाए थे।

अरुणाचल और नागालैंड का मैच रद्द

रणजी ट्रॉफी के पहले दौर में अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के बीच अहमदाबाद में खेला जाने वाला प्लेट ग्रुप का मुकाबला रद्द करना पड़ा। अरुणाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के दो गुटों के बीच गुवाहाटी हाईकोर्ट की ईटानगर बेंच में कानूनी विवाद चल रहा है। इसके कारण अरुणाचल की टीम मैदान पर नहीं उतर सकी और मैच में एक भी गेंद नहीं फेंकी गई।

रणजी ट्रॉफी 2026-27 सभी टीमें

ग्रुप	टीमें
एलीट ग्रुप A	बिहार, बड़ौदा, गोवा, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, उत्तर प्रदेश, विदर्भ
एलीट ग्रुप B	कर्नाटक, आंध्र, सौराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, त्रिपुरा, पंजाब, असम
एलीट ग्रुप C	बंगाल, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, सर्विसेज, ओडिशा
एलीट ग्रुप D	मुंबई, राजस्थान, हरियाणा, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, रेलवे, चंडीगढ़
प्लेट ग्रुप	मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश

भारत-वेस्टइंडीज मैच से पहले महाकाल पहुंचे कोच गंभीर

उज्जैन में सितांशु कोटक के साथ किए बाबा के दर्शन





उज्जैन, एजेंसी

इंदौर के होलकर स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले पांचवें टी-20 मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और बैटिंग कोच सितांशु कोटक रविवार सुबह करीब 10 बजे उज्जैन पहुंचे। दोनों दिग्गजों ने विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दरबार में हाजिरी लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

गौतम गंभीर और सितांशु कोटक ने सबसे पहले चांदी द्वार से भगवान महाकाल के दर्शन किए। इसके बाद दोनों नंदी हॉल पहुंचे और वहां बैठकर भक्ति भाव से ध्यान लगाया। दर्शन के दौरान स्थानीय सांसद अनिल फिरोजिया भी उनके साथ मौजूद रहे। मंदिर समिति और सांसद की ओर से दोनों मेहमानों का आत्मीय स्वागत भी किया गया।

महाकाल दर्शन के बाद गौतम गंभीर ने अपने अनुभव को सुखद बताते हुए कहा कि भगवान महाकाल ने उन्हें हमेशा अपने पास बुलाया है। उन्होंने बाबा महाकाल से प्रार्थना की कि उनका आशीर्वाद पूरे देश और भारतीय क्रिकेट टीम पर बन रहे।

वैभव सूर्यवंशी में मेरी सोच दिखती है : सहवाग



दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखौफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं।'

दिल्ली में शनिवार को PHD चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सत्र में सहवाग ने सूर्यवंशी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए खेलने का मौका मिलने पर सूर्यवंशी उसका पूरा फायदा उठा सकते हैं।

सहवाग ने यह भी कहा कि भारतीय क्रिकेट में उनकी जगह उम्र से नहीं, प्रदर्शन से तय होनी चाहिए।

सूर्यवंशी ने जुलाई 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ सीनियर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। वह 15 साल और 99 दिन की उम्र में भारत के सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल क्रिकेटर बने।

उन्होंने मैनचेस्टर में खेले गए अपने पहले टी-20 में 10 गेंद पर 14 रन बनाए। इस पारी में उनकी आक्रामक सोच दिखी, हालांकि भारत को मैच में हार मिली। इसके बाद भी सूर्यवंशी भारत की प्लेइंग-11 में रेगुलर जगह नहीं बना सके हैं। वह टीम का हिस्सा रहे हैं, लेकिन कॉम्बिनेशन और ओपनिंग स्लॉट के लिए सैमसन और उनमें मुकाबले चलते रहे। वे वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती दो टी-20 में भी नहीं खेले।

सूर्यवंशी ने एशियन गेम्स के सेमीफाइनल और फाइनल में हिस्सा लिया। उन्होंने सेमीफाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 38 रन बनाए।

सहवाह ने सूर्यवंशी के उम्र की चिंताओं को खारिज किया

सहवाग ने सूर्यवंशी की उम्र को लेकर उठ रही चिंताओं को खारिज किया। उन्होंने कहा कि उम्र की सीमा केवल उम्र-आधारित प्रतियोगिताओं में मायने रखती है। सहवाग ने कहा- 'अगर आप किसी उम्र-आधारित प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो यह बात सही है। अगर अंडर-19 है, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए।'

बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बने, अफगान टीम पहली पारी में 240 पर ऑलआउट

हसन महमूद ने अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट हैट्रिक ली



नई दिल्ली, एजेंसी



बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया। वे देश के पहले तेज गेंदबाज बने, जिसने टेस्ट में हैट्रिक ली है। 26 साल के महमूद ने अबू धाबी में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के तीसरे दिन लगातार गेंदों पर इस्मत आलम, कैस अहमद और जिया-उर-रहमान को आउट किया। अफगानिस्तान ने तीसरे दिन की शुरुआत 4 विकेट पर 211 रन से की थी। टीम अपने स्कोर को और बढ़ाना चाहती थी। 83वें ओवर में महमूद के लगातार तीन विकेटों ने निचले क्रम में अफगानिस्तान को मुश्किल में डाल दिया। टीम इसके बाद संभल नहीं सकी और 240 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश टीम ने पहली पारी में 346 रन बनाए थे।

83वें ओवर में पूरी हुई हैट्रिक

महमूद ने 83वें ओवर में इस्मत आलम को बोल्ड किया। उनकी गेंद इस्मत के डिफेंस को चकमा देकर स्टंप्स से जा टकराई।

अगली गेंद पर उन्होंने कैस अहमद को आउट किया। विकेटकीपर लिटन दास ने स्टंप्स के पीछे नीचे कैच पकड़ा।

इसके बाद जिया-उर-रहमान महमूद की हैट्रिक गेंद पर आउट हुए। गेंद जिया के पैड पर लगी और महमूद ने LBW की अपील की।

मैदानी अंपायर ने अपील खारिज कर दी। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने रिव्यू लिया।

बॉल-ट्रैकिंग में दिखा कि गेंद ऑफ स्टंप से टकराती। इसके बाद फैसला बदल दिया गया और महमूद की हैट्रिक पूरी हुई।

> महमूद ने 21 ओवर में 55 रन देकर 5 विकेट लिए। अफगानिस्तान की टीम पहली पारी में 240 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश ने पहली पारी में 346 रन बनाए थे और उसे 106 रन की बढ़त मिली।

बांग्लादेश के तीसरे गेंदबाज

महमूद टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले बांग्लादेश के तीसरे गेंदबाज हैं। अलोक कपाली ने 2003 में पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ पहली हैट्रिक ली थी। इसके बाद सोहाग गाजी ने 2013 में चटगांव में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक ली। दोनों स्पिन गेंदबाज थे। इसलिए महमूद बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज हैं, जिसने टेस्ट क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल की है।

मनोरंजन

मीम्स से लेकर क्रिप्टिक पोस्ट तक चर्चा नंबरिंग की गलती पर माफी मांगी, हेल्थ और रिटायरमेंट की अफवाह पर भी सफाई दी

84 की उम्र को पहुंचे अमिताभ बच्चन

नई दिल्ली, एजेंसी

अमिताभ बच्चन आज 84वां जन्मदिन मना रहे हैं। पांच दशक से लंबे करियर में उन्होंने पर्दे पर कई यादगार किरदार निभाए हैं। सोशल मीडिया पर भी उनका अंदाज किसी सुपरस्टार से कम नहीं है। कभी फैंस उनकी पोस्ट का मतलब खोजते हैं, तो कभी छोटी-सी गलती इंटरनेट पर मीम्स की बाढ़ ला देती है। अगस्त 2026 में पोस्ट की नंबरिंग में हुई गड़बड़ी पर अमिताभ ने माफी मांगी। यूजर्स ने इसे 'नंबर लीक' से जोड़कर मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं।

जुलाई में उनके एक ब्लॉग से सर्जरी और आईसीयू में भर्ती होने की अटकलें लगीं। इसके बाद उन्हें सफाई देनी पड़ी। रिटायरमेंट को लेकर उठे सवालों पर भी उन्होंने अपने खास अंदाज में जवाब दिया। अमिताभ बच्चन की सोशल मीडिया पोस्ट पर कई बार उनके शब्दों के अलग-अलग मतलब निकाले जाते हैं। जुलाई 2026 में ऐसा ही हुआ।



अमिताभ बच्चन 2008 से ब्लॉग के जरिए प्रशंसकों से अपने अनुभव और विचार साझा करते रहे हैं।

एक नंबर की गलती और इंटरनेट पर मीम्स की बाढ़

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट को क्रमवार नंबर देने के लिए जाने जाते हैं। वह लंबे समय से एक्स पर हर पोस्ट के साथ नंबर लिखते हैं। इस आदत ने उनके ऑनलाइन अंदाज को अलग पहचान दी है। लेकिन अगस्त 2026 में नंबरिंग के दौरान उनसे ऐसी चूक हुई कि सोशल मीडिया पर मीम्स बनने लगे। अमिताभ ने एक पोस्ट को T 5817 नंबर दिया था। अगली पोस्ट का नंबर T 5818 होना चाहिए था, लेकिन उन्होंने गलती से T 5718 लिख दिया। आगे की पोस्ट में भी गलत क्रम जारी रहा। एक फैन ने गलती की ओर ध्यान दिलाया, तो अमिताभ ने इसे स्वीकार कर नंबरिंग ठीक की। उन्होंने लिखा, 'T 5820 - A huge error by me in the numbering .. apologies...after 5817 .. it should read 5818 , 5819, 5820.' यानी नंबरिंग में उनसे बड़ी गलती हुई थी और इसके लिए उन्होंने माफी मांगी। उन्होंने गलती पकड़ने वाले फैन 'EF Sunil' को धन्यवाद भी दिया। इस चूक पर यूजर्स ने जमकर मजाक किया। कुछ लोगों ने इसे देश में चर्चा में रहे कथित परीक्षा पेपर लीक विवाद से जोड़कर 'नंबर लीक' कहना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि अगर अमिताभ गलती स्वीकार नहीं करते, तो वह जंतर-मंतर पर विरोध करने पहुंच जाता। दूसरे ने कहा कि इस गलती ने उसका पूरा दिन खराब कर दिया। ये मीम्स इसलिए भी चर्चा में रहे, क्योंकि मामला किसी फिल्म के डायलॉग या किरदार का नहीं, बल्कि अमिताभ के रोजमर्रा के सोशल मीडिया रूटीन का था। उनकी छोटी-सी चूक भी इंटरनेट पर मनोरंजन का विषय बन गई। अमिताभ ने गलती छिपाने के बजाय उसे स्वीकार कर सुधार दिया।

'रिटायर' होने की बात पर भी चर्चा शुरू हो गई

अमिताभ बच्चन के काम से दूर होने या रिटायरमेंट की बात उठते ही फैंस के बीच चर्चा शुरू हो जाती है। सितंबर 2026 में भी ऐसा हुआ। उनकी एक पोस्ट में 'रिटायर' शब्द से अटकलें लगने लगीं कि क्या वह फिल्मों और टेलीविजन से दूरी बनाने वाले हैं। अमिताभ ने अपने खास अंदाज में इस चर्चा पर विराम लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आशय काम से संन्यास लेने का नहीं, बल्कि सोने जाने का था। इसके बाद रिटायरमेंट को लेकर अटकलें थम गईं। इस घटना ने फिर दिखाया कि अमिताभ की पोस्ट के साधारण शब्द भी सुर्खियां बन जाते हैं। उनके फैंस हर बात ध्यान से पढ़ते हैं और कभी-कभी किसी शब्द से बड़े निष्कर्ष निकाल लेते हैं। अमिताभ लंबे समय से फिल्मों और टेलीविजन पर सक्रिय हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' से उनका जुड़ाव भी दर्शकों के बीच खास पहचान रखता है। इसलिए उनके काम छोड़ने की संभावना से जुड़ी खबरें लोगों का ध्यान खींचती हैं।

हिरासत में आमिर खान के भांजे इमरान खान गर्लफ्रेंड संग सीजेपी प्रोटेस्ट में हुए शामिल

इमरान खान को हिरासत में लिया गया, जेल जाने पर बोले आमिर खान के भांजे

नई दिल्ली, एजेंसी

चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के चलते कॉकरेच जनता पार्टी (CJP) ने 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर में प्रदर्शन का आह्वान किया था। देशभर में प्रोटेस्ट हो रहे हैं और प्रोटेस्टर्स को हिरासत में लिया जा रहा है। इमरान खान को भी हिरासत में ले लिया गया है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर कई वीडियोज सामने आए हैं, जिसमें आमिर खान के भांजे और एक्टर इमरान खान को पुलिस वैन में बैठाया जा रहा है। वह सीजेपी प्रोटेस्ट में शामिल हुए थे। एक वीडियो में इमरान को पुलिस वैन में डाल रही है। इस दौरान एक्टर पूछ रहे हैं कि आखिर उन्होंने किया क्या है? इमरान खान के साथ एक्ट्रेस जैन मैरी को भी हिरासत में लिया गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियोज शेयर किए हैं जिनमें से एक वीडियो में वह इमरान के साथ पुलिस वैन में दिख रही हैं। इस दौरान वह इमरान से पूछती हैं, ₹आप कभी जेल गए हो?₹ इस पर इमरान कहते हैं, आज तक तो नहीं, लेकिन शायद एक बार तो जाना ही है। इमरान खान ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पुलिस वैन से अपनी एक सेल्फी भी शेयर की है। इस तस्वीर के साथ एक्टर ने कैप्शन में लिखा है, लगता है मैं ड्राइव पर जा रहा हूं। सैयामी खेर समेत कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज और फैंस उनके पोस्ट पर रिएक्शन दे रहे हैं।

इमरान खान के साथ उनकी गर्लफ्रेंड लेखा वॉशिंगटन को भी हिरासत में लिया गया है। उन्होंने एक्टर के साथ इंस्टाग्राम स्टोरी एक सेल्फी भी शेयर की है, जिसके साथ लिखा है, रोमांस हो तो ऐसी।



पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में लगी इमरजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को देश के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बढ़ते आतंकी हमलों का हवाला देते हुए आपातकाल की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार को बर्खास्त कर दिया गया है।

राष्ट्रपति जरदारी ने संविधान के अनुच्छेद 232(1) और 234(1) के तहत यह अधिसूचना जारी की। इसके लागू होते ही मुख्यमंत्री, प्रांतीय मंत्री, सलाहकार, विशेष सहायक और एडवोकेट जनरल को अपने पद तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। आदेश के तहत खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के अधिकार अब पाकिस्तान की संसद या उसके अधीन किसी प्राधिकरण द्वारा चलाए जाएंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार राज्यपाल को प्रांत का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण संभालने का निर्देश दे सकती है।

पोस्टर लेकर पहुंचे, केक बांटकर मनाया जश्न, ढोल-नगाड़ों पर किया डांस

अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर घर के बाहर जुटे फैंस



बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी



अमिताभ बच्चन के 84वें जन्मदिन के मौके पर उन्हें बधाई देने के लिए बीती रात से ही मुंबई के जुहू स्थित उनके आवास 'जलसा' के बाहर फैंस की भीड़ जुटने लगी। दूर-दूर से पहुंचे फैंस अपने साथ केक, मिठाइयां और पोस्टर लेकर आए।

रात 12 बजते ही जलसा के बाहर फैंस ने अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की बधाई दी। फैंस ने उनके पोस्टर लेकर नारे लगाए और उनकी लंबी उम्र व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाईं और कई प्रशंसक ढोल-नगाड़ों पर नाचते नजर आए। अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर हर साल उनके घर के बाहर फैंस का जमावड़ा लगता है। इस बार भी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, गुजरात और देश के अन्य हिस्सों से फैंस मुंबई पहुंचे।



जलसा के बाहर अमिताभ बच्चन का हमशक्ल डांस करते हुए।

सोशल मीडिया पर भी मिल रहीं बधाइयां

अमिताभ बच्चन के 84वें जन्मदिन पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी उन्हें शुभकामनाएं दी जा रही हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने X पर पोस्ट कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य व लंबी उम्र की कामना की।

यूक्रेन को नए राष्ट्रपति की जरूरत : ट्रम्प

दावा

पुतिन शांति चाहते हैं, जेलेंस्की ने अमेरिका-रूस के बीच डीजल डील का विरोध किया था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन को नया राष्ट्रपति चुनना चाहिए।

उन्होंने पत्रकारों से दावा किया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने के लिए शांति समझौता करना चाहते हैं, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की बातचीत के मौके गंवा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब ट्रम्प ने शुक्रवार को बताया कि अमेरिका अब रूस से डीजल खरीदेगा। जेलेंस्की ने इस फैसले का विरोध किया। उन्होंने कहा था कि इससे रूस को युद्ध जारी रखने के लिए और पैसा मिलेगा।

अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों के बीच 9 अक्टूबर को मियामी में युद्ध रोकने को लेकर करीब 6 घंटे बातचीत हुई थी। लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। बैठक में ट्रम्प के दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ भी शामिल थे। जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन की टीम बातचीत के लिए गई थी, लेकिन इसके बाद रूस को राहत देने वाला फैसला कर लिया गया। यूक्रेन का मानना है कि रूस पर दबाव बनाए बिना युद्ध खत्म करना मुश्किल है। सितंबर के आखिर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान अमेरिका ने रूस से युद्ध रोकने का समझौता कराने के लिए कुछ प्रस्तावों पर चर्चा की थी। इसके बदले रूस को आर्थिक राहत देने के विकल्प रखे गए थे। इनका मकसद ऊर्जा से जुड़ी जगहों और समुद्र में हमले रुकवाना था। प्रस्तावों में पश्चिमी देशों में जब्त रूस की सरकारी संपत्ति का कुछ हिस्सा लौटाना, रूसी कंपनी लुकोइल की कुछ संपत्तियां मध्य-पूर्व के निवेशकों को बेचने की इजाजत देना और बेलारूस को पोटाश (खाद बनाने में इस्तेमाल होता है) बेचने की छूट देना शामिल था।





अलास्का में यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए हुई बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में हाथ मिलाते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति पुतिन। तस्वीर 15 अगस्त 2025 की है।

अमेरिका ने रूस से डीजल खरीदने पर पाबंदी हटाई

ईरान-अमेरिका और इजराइल के युद्ध के कारण इस साल ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इसी बीच अमेरिका ने रूसी डीजल के निर्यात पर लगी पाबंदियां अगले साल अप्रैल तक हटा दीं है। इस फैसले से रूस के लिए अमेरिका और दूसरे देशों को डीजल बेचने का रास्ता खुल गया है। जेलेंस्की ने इस फैसले को कमजोर कदम बताया। उनका कहना है कि रूस को तेल और डीजल बेचने की छूट मिलने से उसकी कमाई बढ़ेगी और वह इस पैसे का इस्तेमाल युद्ध जारी रखने में कर सकेगा।

रूस की तेल रिफाइनरियों पर हमलों से ट्रम्प नाराज

ट्रम्प ने यूक्रेन की ओर से रूस की तेल रिफाइनरियों पर किए जा रहे हमलों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इन हमलों से दुनिया में ईंधन की समस्या बढ़ सकती है। यूक्रेन रूस की तेल से जुड़ी सुविधाओं को निशाना बना रहा है। इससे रूस की तेल से होने वाली कमाई और उसकी सेना तक ईंधन पहुंचाने की व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। तब से दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है।

भारत में स्टारलिंक के सस्ते प्लान लाएंगे : मस्क

मुकाबले से अंबानी का मुनाफा घटेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस 'स्टारलिंक' की कीमतें भारत में काफी सस्ती होंगी। देश में इसकी एंट्री को लेकर चल रहे विवाद के बीच इलॉन मस्क ने इसके संकेत दिए हैं। उनका कहना है कि मार्केट में कंपनियों के बीच कॉम्पिटिशन बढ़ने से आखिरी फायदा भारतीय यूजर्स को ही होगा।

उन्होंने कहा कि स्टारलिंक के आने से अंबानी का मुनाफा थोड़ा घट सकता है, लेकिन उनका कारोबार बंद नहीं होगा। जाहिर है, अगर स्टारलिंक भारत में बहुत महंगी होगी तो उसे कोई नहीं खरीदेगा। इसलिए स्पेसएक्स को यहां टिकने के लिए अपनी कीमतें सस्ती रखनी ही पड़ेंगी। इलॉन मस्क भारत में स्टारलिंक की लॉन्चिंग में हो रही देरी को लेकर पिछले कुछ दिनों से नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इस देरी के लिए वो रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को जिम्मेदारी बता रहे हैं और उनके खिलाफ लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं।



हाल ही में मस्क ने अपने एक पोस्ट में मुकेश अंबानी पर तंज कसते हुए उन्हें 'प्राइम मिनिस्टर अंबानी' लिखा था। इस पोस्ट में उन्होंने अंबानी को भारत का रियल बॉस बताया था। उनका तर्क था कि स्टारलिंक भारत के बिना इंटरनेट वाले इलाकों में कनेक्टिविटी पहुंचा सकता है। इससे दूरदराज के वंचित बच्चों को शिक्षा और छोटे कारोबारियों को ग्लोबल मार्केट तक पहुंच मिलेगी।

फास्ट न्यूज

सऊदी अरब के रियाद एयरपोर्ट पर भीषण मिसाइल हमला

रियाद। सऊदी अरब के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को हुए मिसाइल हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 309 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सऊदी अरब के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएसीए) ने इसकी पुष्टि की है। सीएसीए के अनुसार, मृतकों में 4 सऊदी नागरिक शामिल हैं। बाकी पीड़ितों में 2 बांग्लादेशी और अमेरिका, मिस्र, जॉर्डन, सीरिया, फलस्तीन और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल हैं।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय-बाजार से 44,166 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकालने का सिलसिला जारी है। अक्टूबर महीने में विदेशी निवेशकों ने अब तक इक्विटी मार्केट से 44,166 करोड़ की निकासी की है। इसके साथ ही साल 2026 में अब तक FPIs का कुल नेट आउटफ्लो बढ़कर 3.04 लाख करोड़ से ज्यादा हो चुका है।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, मजबूत होता अमेरिकी डॉलर और 10 साल के अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी विदेशी निवेशकों की इस निकासी के मुख्य कारण हैं।

जानलेवा इंजेक्शन से बचने वाली क्रिस्ता लौटीं जेल

वाशिंगटन। अमेरिका के टेनेसी राज्य से पिछले हफ्ते मौत की सजा का एक बेहद हैरान करने वाला और दुर्लभ मामला सामने आया था, जिसके बाद पूरे अमेरिका में मौत की सजा को लेकर एक नई बहस छिड़ गई। हालांकि इस मामले में ताजा अपडेट यह है कि जानलेवा इंजेक्शन दिए जाने के बाद भी मौत को चकमा देकर जिंदा बचने वाली 50 वर्षीय कैदी क्रिस्टा पाइक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

अमेरिका में फायरिंग बच्चों समेत 9 की मौत

इस साल मास शूटिंग में 320 से ज्यादा मौतें

पेनसिल्वेनिया, एजेंसी

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में शुक्रवार शाम हुई फायरिंग में बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध हमलावर भी मृत मिला। आशंका है कि उसने खुद को गोली मारी। घटना एरी शहर की पेरी स्ट्रीट पर हुई।

अमेरिकी न्यूज चैनल WCVB के मुताबिक, 24 सितंबर तक इस साल अमेरिका में मास शूटिंग की 343 घटनाएं दर्ज की गई थीं। इन घटनाओं में 320 से ज्यादा लोगों की मौत हुई।

NBC फिलाडेल्फिया की रिपोर्ट के मुताबिक 9 अक्टूबर को शाम करीब 5 बजे पुलिस को एरी शहर की पेरी स्ट्रीट पर गोलीबारी की सूचना मिली। चश्मदीदों ने बताया कि एक व्यक्ति ने घर के बाहर गोलियां चलाईं और फिर अंदर चला गया। मौके पर पहुंची पुलिस को सड़क पर दो महिलाओं के शव मिले। रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से एक महिला गर्भवती थी। इसके बाद पुलिस और खास कमांडो टीम (SWAT) ने घर को घेर लिया। इसी दौरान घर के अंदर से और गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दीं। बाद में जब पुलिस घर के अंदर दाखिल हुई, तो वहां सात और लोगों के शव मिले। इनमें बच्चे भी शामिल थे। संदिग्ध हमलावर भी घर के अंदर मृत मिला।



होर्मुज में तेल टैंकर समुद्री माइन से टकराया

जहाज में ब्लास्ट के बाद आग लगी, 10 दिन में अब तक 13 घटनाएं



विदेश मंत्री एस जयशंकर 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोलते हुए।

लंदन, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर समुद्री माइन से टकरा गया। इसके बाद जहाज में ब्लास्ट हुआ और आग लग गई। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने शनिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने जहाज की पहचान और वह किस देश का है यह नहीं बताया। रॉयटर्स के मुताबिक, 28 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच होर्मुज स्ट्रेट के आसपास तेल, लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (LPG) ले जाने वाले टैंकरों से जुड़ी 13 घटनाएं हुईं।

अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व वाले जॉइंट मैरीटाइम इन्फॉर्मेशन सेंटर (JMIC) ने रविवार को कहा कि होर्मुज में ऐसी गतिविधियां जारी हैं।

उन्होंने कहा, 'इन गतिविधियों से पता चलता है कि ईरान समुद्री रास्तों पर अपनी मौजूदगी बनाए रखना चाहता है और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर दबाव बनाए रखना चाहता है।' भारत ने 6 अक्टूबर को ओमान के पास होर्मुज स्ट्रेट में पनामा के झंडे वाले व्यापारिक जहाज पर हमले की निंदा की थी। हमले में 12 क्रू मेंबर घायल हुए थे, जिनमें 11 भारतीय थे।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, जहाज एमटी ऑन पीस ओमान के तट से गुजर रहा था। इसी दौरान उस पर एक प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। जहाज पर कुल 19 लोग सवार थे। इनमें 17 भारतीय नागरिक थे। ओमानी अधिकारियों की मदद से घायलों को निकालकर ओमान के खासाब में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। फरवरी से अब तक होर्मुज में हमलो में 100 से ज्यादा भारतीय नाविक प्रभावित हो चुके हैं। वहीं, इन हमलों में 11 भारतीय नाविकों की जान गई।



खाड़ी क्षेत्र में 4,500 से ज्यादा भारतीय नाविक

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 29 सितंबर को बताया था कि फारस की खाड़ी और आसपास के इलाके में अलग-अलग कमर्शियल जहाजों पर 4,500 से ज्यादा भारतीय नाविक काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया था कि होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में 6 भारत-झंडे वाले कमर्शियल जहाज मौजूद हैं। इसके अलावा 6 विदेशी झंडे वाले जहाज भी भारत के लिए सामान लेकर चल रहे हैं। इन 12 जहाजों पर करीब 163 भारतीय नाविक सवार हैं।

जायसवाल के मुताबिक, भारत का शिपिंग मंत्रालय इन जहाजों की आवाजाही पर नजर रख रहा है। भारतीय दूतावासों और स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की निगरानी की जा रही है। जरूरत पड़ने पर भारतीय मिशन उनकी मदद के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

बोले- ट्रम्प ओशन या ओशन ऑफ द अमेरिका रखेंगे, होर्मुज को भी 'ट्रम्प स्ट्रेट' करने को कहा था

ट्रम्प अटलांटिक या प्रशांत महासागर का नाम बदलेंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अटलांटिक या पैसिफिक ओशन का नाम बदलकर 'ट्रम्प ओशन' या 'ओशन ऑफ द अमेरिका' रखने का सुझाव दिया है।

ट्रम्प ने शनिवार को एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि 2028 में अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले वह एक महासागर और एक बड़ी नदी का नाम बदलना चाहते हैं। उनकी इस बात पर रैली में मौजूद लोग हंसने लगे और तालियां बजाने लगे। इससे पहले भी ट्रम्प खुद के नाम पर कई जगहों के नाम रखने का सुझाव दे चुके हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कई बार होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी इलाका बताते हुए कहा कि क्या इसका नाम बदलकर 'ट्रम्प स्ट्रेट' कर देना चाहिए। इस साल अगस्त में ट्रम्प ने अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के बीच स्थित लेक ओंटारियो का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' कर दिया था। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, यह फैसला कनाडा के नेताओं के साथ व्यापार और टैरिफ को लेकर चल रहे तनाव के बीच आया था।

ट्रम्प ने अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य का नाम बदलकर 'न्यू अमेरिका' रखने का सुझाव भी दिया था। पिछले महीने उन्होंने यह विचार सामने रखा था। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि इस बारे में फैसला राज्य के लोगों को ही करना होगा। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, न्यू मेक्सिको में रिपब्लिकन पार्टी के एक उम्मीदवार के समर्थन में वीडियो संदेश में ट्रम्प ने कहा था, 'मैं इस पर जोर नहीं दूंगा, लेकिन बहुत से लोगों को यह नाम काफी पसंद है।'



ट्रम्प ने अटलांटिक या पैसिफिक ओशन का नाम बदलने की बात केवल रैली के दौरान कही। उन्होंने अभी तक इस बारे में कोई औपचारिक प्रस्ताव पेश नहीं किया है।



द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यकारी अधिकारों का इस्तेमाल करके समुद्र, झीलों और दूसरी भौगोलिक जगहों के नाम बदल सकते हैं। ट्रम्प प्रशासन की ओर से बदले गए नामों को ऑनलाइन नक्शा बनाने वाली कंपनियों ने भी आम तौर पर अपनाया है।

मेक्सिको गल्फ को 'गल्फ ऑफ अमेरिका' किया

पिछले साल ट्रम्प ने मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर 'गल्फ ऑफ अमेरिका' कर दिया था। इस फैसले के बाद मेक्सिको के साथ कूटनीतिक तनाव बढ़ गया था।

इस नाम को लेकर ट्रम्प प्रशासन और अमेरिकी न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (AP) के बीच भी विवाद हुआ। AP ने खाड़ी के नए नाम को हर जगह इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में एजेंसी की पहुंच को लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हो गई थी।

डीमार्ट के नतीजे- आमदनी 18% और मुनाफा 8.5% बढ़ा

पुराने स्टोर्स में जोरदार बिक्री और नए स्टोर खोलने का असर

मुंबई, एजेंसी

रिटेल चेन डीमार्ट को चलाने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 743 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर यह 8.5% बढ़ा है। पिछले साल की दूसरी तिमाही में कंपनी को 685 का मुनाफा हुआ था। जुलाई-सितंबर तिमाही में डीमार्ट ने 19,644.01 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया। यानी सालाना आधार पर कंपनी की आमदनी 18% बढ़ी है। हालांकि, कंपनी का खर्च भी 18% बढ़ा है।

पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 16,676.30 करोड़ रहा था। वस्तुओं और सेवाओं के बेचने से मिलने वाला पैसा रेवेन्यू या राजस्व होता है। कंपनी ने वित्त वर्ष 27 में अब तक 18 नए स्टोर्स खोले हैं। इसके साथ ही देश में कंपनी के टोटल स्टोर्स की संख्या अब 518 हो गई है। सॉलिड रेवेन्यू ग्रोथः डीमार्ट का बिजनेस मॉडल (बिक्री) अभी भी बहुत मजबूत है। 18% की रेवेन्यू ग्रोथ यह दिखाती है कि कंज्यूमर डिमांड और स्टोर्स पर फुटफॉल में कोई कमी नहीं आई है।



मुनाफे की धीमी रफ्तारः रेवेन्यू तो 18% बढ़ा, लेकिन नेट प्रॉफिट सिर्फ 8.5% बढ़ा। इसका सीधा मतलब है कि कमाई तो हो रही है, लेकिन मुनाफा बनाने की लागत बढ़ गई है।

सैलरी/वेज इन्फ्लेशन का असरः कंपनी के CEO अंशुल असावा ने खुद माना कि एंट्री-लेवल कर्मचारियों की सैलरी बढ़ने से ऑपरेटिंग खर्च बढ़ा है।

नुकसान : कई पुल-घर बहे, 10 लापता लैंडस्लाइड से स्यारी नदी का रास्ता बंद, बिहार में भी खतरा

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़

काठमाण्डू, एजेंसी

नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक बाढ़ आने से कई गांवों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ में करीब 35 घर और 6 पुल बह गए, जबकि कम से कम 10 लोग लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

बाढ़ से 341 मेगावाट के बूढ़ी गंडकी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण कैंप और कई मशीनें भी बह गईं। बाढ़ का पानी सुबह करीब 4 बजे बस्तियों में घुसा, जिसके बाद लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ऊंचे पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण चुन्चुब्री स्यारी नदी का रास्ता बंद हो गया था। इससे पानी जमा हुआ और फिर अचानक तेज बहाव के साथ नीचे आया।



इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में आई बाढ़ में 1455 लोगों की मौत हुई थी। साथ ही 5,285 लोग अब भी लापता हैं। सरकार ने बताया कि लगातार हो रहे भूस्खलन के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है।

गोरखा जिला पुलिस कार्यालय के इंस्पेक्टर आकाश कंडेल ने बताया कि बाढ़ के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने सिरदिबास और धारचे ग्रामीण नगरपालिका के खोर्लाबेसी, माछाखोला, सोती, अरखेत और आरुघाट में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (NDRRMA) के मुख्य कार्यकारी डॉ. धर्मराज उप्रेती ने बताया कि ऊपरी इलाके से बाढ़ का पानी आरुघाट पहुंचने में करीब 3 घंटे लगते हैं। इससे नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने का समय मिल सकता है।

उप्रेती के मुताबिक, प्रशासन ने लोगों को SMS भेजकर अलर्ट किया है। सिरदिबास, जगत, यारी, तातोपानी, सोती और अरुखोला जैसे नदी किनारे बसे इलाकों के लोगों को खास सावधानी बरतने को कहा गया है। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन के कारण अचानक बाढ़ आने का खतरा बना रहता है। पहाड़ से मिट्टी और पत्थर खिसककर जब नदी या नाले का रास्ता रोक देते हैं, तो पानी एक जगह जमा होने लगता है।

बिहार में भी बाढ़ का खतरा

बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़ आने से बिहार में भी खतरा बढ़ सकता है। यह नदी आगे त्रिशूली से मिलती है। फिर दोनों का पानी देवघाट के पास नारायणी नदी में पहुंचता है। यही नदी भारत में गंडक के नाम से बिहार में आती है और आगे गंगा में मिल जाती है।

ऐसे में अगर पानी का बहाव बढ़ता है, तो बिहार में गंडक किनारे बसे इलाकों पर असर पड़ सकता है। इनमें पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और वैशाली जैसे जिले शामिल हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि नेपाल में आई बाढ़ से बिहार में जलस्तर बढ़ेगा या नहीं।



सोती में बना मोटर पुल बाढ़ में बह गया। सोती का बाजार क्षेत्र भी पानी में डूब गया

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में लगी इमरजेंसी

इमरान खान की पार्टी की प्रांतीय सरकार बर्खास्त

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को देश के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बढ़ते आतंकी हमलों का हवाला देते हुए आपातकाल की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार को बर्खास्त कर दिया गया है। राष्ट्रपति जरदारी ने संविधान के अनुच्छेद 232(1) और 234(1) के तहत यह अधिसूचना जारी की। इसके लागू होते ही मुख्यमंत्री, प्रांतीय मंत्री, सलाहकार, विशेष सहायक और एडवोकेट जनरल को अपने पद तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। आदेश के तहत खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के अधिकार अब पाकिस्तान की संसद या उसके अधीन किसी प्राधिकरण द्वारा चलाए जाएंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार राज्यपाल को प्रांत का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण संभालने का निर्देश दे सकती है। राष्ट्रपति द्वारा जारी घोषणापत्र के अनुसार, प्रांत में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह विफल हो चुका था। इसमें कहा गया है कि आतंकी घटनाओं की बढ़ती तीव्रता आम नागरिकों की जान और माल के लिए गंभीर खतरा बन गई है। सरकारी संपत्तियों, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा बलों पर लगातार हमले हो रहे हैं। प्रांतीय सरकार आतंकवाद और अराजकता को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने में विफल रही है।



तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96